हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शनिवार 15 अगस्त 2026



INDEPENDENCE DAY
SUPER SAVINGS
AZAADI KI KHUSHIYAN
EXTRA BACHAT KE SAATH...

शुभम के मार्ट®
शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके!

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
आइए मनाएँ आज़ादी का जश्न...
पसंद की आज़ादी । खरीदारी की आज़ादी । ज़्यादा चुनने की आज़ादी । ज़्यादा बचाने की आज़ादी।

SPECIAL OFFER
प्योर गार्ड डिसइंफेक्टेंट लिक्विड लाइम/ लैवेंडर 500ml
MRP ₹199
शुभम मूल्य ₹19

रंग बिरंगी ट्रेंडी राखियां मात्र ₹15 से शुरू

(पिजन) इंडक्शन कुकटॉप 1800 वॉट
MRP ₹2990 बचत ₹1491
शुभम मूल्य ₹1499

लूज बासमती चावल XXXL 1 kg
MRP ₹130 बचत ₹22
शुभम मूल्य ₹108

दावत पुलाव बासमती चावल 1 kg
MRP ₹177 बचत ₹52
शुभम मूल्य ₹125

काबुली चना 1 kg
MRP ₹160 बचत ₹64
शुभम मूल्य ₹96

शुभ पोहा 1kg
MRP ₹80 बचत ₹24
शुभम मूल्य ₹56

ग्रॉसरी (किराना)

लूज तुअर दाल (फटका कोरा) 1kg
MRP ₹200 बचत ₹82
शुभम मूल्य ₹118

लूज HMT पोस्टमैन चावल 1 kg
MRP ₹95 बचत ₹32
शुभम मूल्य ₹63

आशीर्वाद आटा 5 kg
MRP ₹263 बचत ₹33
शुभम मूल्य ₹230

लूज बेसन 1 kg
MRP ₹125 बचत ₹58
शुभम मूल्य ₹67

GBM सूजी 500 gm
MRP ₹35 बचत ₹11
शुभम मूल्य ₹24

टाटा सॉल्ट 1 kg
MRP ₹32 बचत ₹4
शुभम मूल्य ₹28

एबिस सोयाबीन ऑयल 800 gm
MRP ₹210 बचत ₹72
शुभम मूल्य ₹138

कमल राइस ब्रैन ऑयल 1 ltr.
MRP ₹180 बचत ₹27
शुभम मूल्य ₹153

फॉर्च्यून सनफ्लावर ऑयल 13 kg
MRP ₹3250 बचत ₹641
शुभम मूल्य ₹2609

वास्तु घी 1 ltr.
MRP ₹739 बचत ₹230
शुभम मूल्य ₹509

डेली नीड्स

अमूल गोल्ड स्टैंडर्ड मिल्क TP 1 लीटर
MRP ₹83 बचत ₹8
शुभम मूल्य ₹75

सुंदर नाडियाडी/ गार्लिक सुरती मिक्सचर 700 gm
MRP ₹250 बचत ₹151
शुभम मूल्य ₹99

किसान फ्रेश टोमैटो केचप 850 gm
MRP ₹93 बचत ₹26
शुभम मूल्य ₹67

मैगी 2 मिनट नूडल्स मसाला 8 पैक 560 ग्राम
MRP ₹120 बचत ₹35
शुभम मूल्य ₹85

हल्दीराम भुजिया सेव 1kg
MRP ₹290 बचत ₹81
शुभम मूल्य ₹209

हल्दीराम आलू भुजिया 400 gm
MRP ₹109 बचत ₹25
शुभम मूल्य ₹84

हल्दीराम रसगुल्ला मिठाई 1kg
MRP ₹225 बचत ₹46
शुभम मूल्य ₹179

ब्रिटानिया न्यूट्री चॉइस डाइजेस्टिव बिस्किट 960 gm
MRP ₹220 बचत ₹101
शुभम मूल्य ₹119

पतंजलि दूध बिस्किट 800 ग्राम
MRP ₹125 बचत ₹46
शुभम मूल्य ₹79

पार्ले क्रैकजैक (16 पैक * 44.1 ग्राम)
MRP ₹135 बचत ₹60
शुभम मूल्य ₹75

पारले-जी गोल्ड बिस्कुट 1kg
MRP ₹160 बचत ₹41
शुभम मूल्य ₹119

ब्रिटानिया मैरी गोल्ड 1.05kg
MRP ₹150
BUY2 GET1 FREE

ब्रिटानिया बॉर्बन ओरिजिनल 5N*100g (कॉम्बो) 500g
MRP ₹140 बचत ₹70
BUY 1 GET 1 FREE

ब्रिटानिया ट्रीट क्रीम वेफर चोको/वनीला 55 gm
MRP ₹50
BUY1 GET2 FREE

ओडोनिल रोज़ गार्डन/सैंडल/ सिट्रस फ्रेश रूम स्प्रे 220ml
MRP ₹169 बचत ₹84.5
BUY 1 GET 1 FREE

कोलगेट स्ट्रॉन्ग टीथ टूथपेस्ट 250 GM*2 = 500 GM
MRP ₹323 बचत ₹134
शुभम मूल्य ₹189

डव डीप नरिश न्यूट्रिएंट सीरम बार B4G1 (5*125g)
MRP ₹519 बचत ₹220
शुभम मूल्य ₹299

पियर्स प्योर एंड जेंटल सोप 125g*5
MRP ₹401 बचत ₹182
शुभम मूल्य ₹219

जो लाइम सोप 150g x 4
MRP ₹175 बचत ₹76
शुभम मूल्य ₹99

टाइड जैस्मिन और रोज़ डिटर्जेंट पाउडर 970 gm
MRP ₹132 बचत ₹23
शुभम मूल्य ₹109

व्हील 2 इन 1 क्लीन फ्रेश पाउडर 2kg
MRP ₹125 बचत ₹26
शुभम मूल्य ₹99

सर्फ़ एक्सेल मैटिक फ्रंट लोड 6 लीटर पाउच
MRP ₹1155 बचत ₹456
शुभम मूल्य ₹699

सर्फ़ एक्सेल मैटिक टॉप लोड 6 लीटर पाउच
MRP ₹1000 बचत ₹401
शुभम मूल्य ₹599

मैमी पोको पैंट्स नाइट एब्जॉर्ब (S, M, L, XL)
MRP ₹599 बचत ₹250
शुभम मूल्य ₹349

*नियम और शर्तें लागू; यह ऑफर स्टॉक रहने तक ही मान्य है। दिखाए गए उत्पाद चित्र केवल सांकेतिक हैं।

जनरल मर्चेंडाइज

बजाज इन्वर्टर LED लैंप 9 Watt
MRP ₹685 बचत ₹386
शुभम मूल्य ₹299

सेलो इलेक्ट्रिक केतली 1.5 लीटर
MRP ₹1699 बचत ₹1100
शुभम मूल्य ₹599

गाला स्पिन मॉप
MRP ₹1539 बचत ₹640
शुभम मूल्य ₹899

फ़ैशन & हैंडलूम

FLAT DISCOUNT
₹2000 की फ़ैशन की शॉपिंग पर ₹250 OFF
₹3000 की फ़ैशन की शॉपिंग पर ₹400 OFF
₹5000 की फ़ैशन की शॉपिंग पर ₹750 OFF
मेंस वियर, वूमेंस वियर, किड्स वियर, साड़ियाँ, हैंडलूम और होम फर्निशिंग की खरीदारी पर!

रायपुर स्टोर: संतोषी नगर • पंडरी • पुरानी बस्ती • श्रीनगर • कोटा • सरोना • कमलविहार • देवेन्द्र नगर • चंगोराभाठा • भाठागांव • अश्विनी नगर • बिरगांव • सड्डू, मेन रोड

सराईपाली • जुनवानी, भिलाई • पलारी • राजनांदगांव • भाटापारा • धमतरी • जैजैपुर • अंजोरा • अकलतरा

नवापारा राजिम • बालोद • खैरागढ़ • बेमेतरा • पाटन • बेरला • खरियार रोड • शिवरीनारायण • सिमगा

पोटिया रोड, दुर्ग • अभनपुर • कवर्धा • उतई अतिशीघ्र शुभारंभ • जगदलपुर • बलौदाबाज़ार • डोंगरगढ़

UP TO ₹200 EXTRA CASHBACK* SBI card
*Min. Trxn.: ₹3,750; Max. Cashback: ₹200 per card account;
Validity: 01 Aug - 06 Sep 2026. T&C Apply.

नियम एवं शर्तें लागू: सभी ऑफर सूचना के बिना बदलाव के अधीन हैं | ऑफर स्टॉक रहने तक। दिखाये गए उत्पादों के ग्राफिक्स केवल सांकेतिक मात्र है | ऑफर स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं | सभी मदभेद केवल रायपुर अदालत के अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं | सभी क्रेडिट, डेबिट एवं यूपीआई से भुगतान स्वीकार किये जाते हैं |

कस्टमर केयर हेल्पलाइन नंबर : 91091 99110

• छत्तीसगढ़ • राजस्थान • गुजरात • ओडिशा • महाराष्ट्र • मध्य प्रदेश

FOLLOW US ON:
shubhamkmartofficial
Shubham K Mart
@shubhamkmart2926

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

वंदे मातरम् के गौरवशाली 150 वर्ष



स्वतंत्रता से सुरक्षा तक, विरासत से विकास तक, नई पहचान गढ़ रहा छत्तीसगढ़

80वें स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2026

की समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सुशासन से समृद्धि की ओर...

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शनिवार 15 अगस्त 2026

राष्ट्रपति का वीरता पदक

इनको मिला सम्मान

- रोबिनसन गुड़िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर, हाल डीसीपी रायपुर
- विनय कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर हाल एसडीओपी बेरला जिला बेमेतरा
- सोहन लाल, उप पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ
- महंथ कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ
- उप निरीक्षक हरिशंकर प्रसाद ध्रुव, नारायणपुर
- प्लाटून कमांडर भूपेन्द्र बघेल (एसटीएफ),
- सहायक प्लाटून कमांडर गजराज सिंह राजावत (एसटीएफ),
- सउनि राजूराम नेताम, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक 129 लैखन कोर्राम, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक 564 हरि दुग्गा, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक चैनसिंह भोयर, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक 471 उजियार सिंह नुरेटी, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक 77 सुकनाथ नुरेटी, नारायणपुर
- प्रधान आरक्षक 424 लोमसिंह ध्रुव, नारायणपुर
- आरक्षक 313 रामचन्द्र यादव, नारायणपुर
- आरक्षक 781 देवप्रसाद दर्रो, नारायणपुर
- आरक्षक 872 बज्जूराम कचलाम, नारायणपुर
- बस्तर फाईटर आरक्षक 1046 पीताम्बर दास वैष्णव, नारायणपुर
- बस्तर फाईटर आरक्षक 1255 कु0 रामबाई पोटाई, नारायणपुर

⏭ शेष पेज 4 पर

राष्ट्रपति पदकों की घोषणा आईपीएस कोटवानी को राष्ट्रपति पुरस्कार

नक्सलमुक्ति पर छग को बड़ा सम्मान, 141 को गैलेंट्री अवार्ड, 10 को सराहनीय सेवा का पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस पदकों की घोषणा की है। इस बार छत्तीसगढ़ पुलिस के 152 अधिकारी और पुलिस कर्मी अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित होंगे। इनमें 141 को वीरता पदक, 10 को सराहनीय सेवा पदक और 1 अधिकारी मोतीलाल कोटवानी को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक दिया जाएगा।वीरता और अदम्य साहस का परिचय देने वाले सेना के जवानों, अफसरों और पुलिस अधिकारियों तथा जवानों को स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। नक्सल ⏭शेष पेज 4 पर



देशभर के 1,057 कर्मियों को अवार्ड

केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है। इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 15 अगस्त शनिवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 17 अगस्त सोमवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नड्डा की कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई। अस्पताल ने बताया कि उनकी हालत अभी स्थिर है और उन्हें निगरानी के लिए कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है।



केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की जारी कर दी है लिस्ट

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में 'जाति' बतानी होगी कोविड वैक्सीनेशन की जगह भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत की अगली जनगणना सिर्फ घर-घर जाकर नाम और उम्र पूछने तक सीमित नहीं रहने वाली है। जनगणना 2027 में पहली बार स्वतंत्र भारत में सामान्य जातियों की भी गिनती होगी। सरकार ने इसके लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें जाति के साथ धर्म, मातृभाषा, शिक्षा, रोजगार, पलायन और परिवार से जुड़े सवाल होंगे। खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा।

इस बार जनगणना का फॉर्म काफी बड़ा और डेटा के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी। इसमें लोगों से एससी, एसटी या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ एससी/एसटीका विकल्प था। सेंसस 2027 में कोरोना महामारी से जुड़ी जानकारी भी दर्ज होगी।

17 अगस्त से शुरू होगा दूसरा चरण



जानकारी रखी जाएगी गोपनीय

जनगणना का दूसरा चरण 17 अगस्त 2026 से लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड तथा हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्रों में शुरू होगा। देश के बाकी हिस्सों में पापुलेशन एन्यूमरेशन का चरण फरवरी 2027 में कराया जाएगा। केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, आरटीआई के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था।

पूछे जाएंगे ये अहम सवाल

व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और पूरी हो चुकी उम्र, वर्तमान वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, व्यक्ति द्वारा बताई गई राष्ट्रीयता, धर्म, अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी)/जाति, पिता से संबंधित जानकारी, माता से संबंधित जानकारी, दिव्यांगता, मातृभाषा और अन्य ज्ञात भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की स्थिति, शिक्षण संस्थान में पढ़ाई की वर्तमान स्थिति, प्राप्त उच्चतम शैक्षणिक स्तर और विषय/स्ट्रीम, पिछले एक साल में किसी समय काम किया या नहीं, आर्थिक गतिविधि की श्रेणी, व्यवसाय, उद्योग, व्यापार या सेवा की प्रकृति, कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या काम के लिए उपलब्धता आदि।

बिल पास कराने रेलवे अफसर ने मांगी रिश्वत सीबीआई ने पकड़ा

दिल्ली, रायपुर और दुर्ग की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई



हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

रेलवे अफसर द्वारा पुराना बकाया बिल पास कराने के नाम पर ठेकेदार से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद सीबीआई ने मामले में प्रारंभिक जांच कर आरोपी रेलवे अधिकारी को भिलाई तीन के रेलवे दफ्तर में रिश्वत लेते रंगे हाथों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार देर शाम रेलवे पीपी यार्ड में सीबीआई की टीम ने दबिश देने ⏭शेष पेज 4 पर

केमिकल लगे नोटों से ट्रैप

गुरुवार को सीबीआई की टीम पीपी यार्ड भिलाई तीन पहुंची। टीम में करीब 10 अधिकारी मौजूद थे। इनमें दिल्ली के साथ रायपुर, दुर्ग की टीम के अधिकारी भी शामिल थे। टीम ने ठेकेदार दीपक वर्मा को केमिकल लगे नोटों से भरा लिफाफा देकर अफसर के पास भेजा। जैसे ही अनमोल उइके ने लिफाफा लिया, तभी सीबीआई की टीम ने कार्यालय में दबिश दी। रेलवे अधिकारी के हाथ धुलवाए गए। हाथों पर केमिकल का रंग दिखाई दिया। बता दें कि भिलाई तीन ⏭शेष पेज 4 पर





नालसार विवाद पर बीसीआई को फटकार, सीजेआई बोले- यह छात्रों और मेरा मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार है और इसमें बार काउंसिल ऑफ इंडिया को हस्तक्षेप करने का कोई हक नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (नालसार) के साल 2026 के स्नातक बैच के छात्रों के पक्ष में खड़े होते हुए उनके खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर तुरंत रोक लगा दी है।

बता दें कि बीसीआई ने सभी राज्यों के बार कौंसिल को नालसार से पास होने वाले विद्यार्थियों को वकील के रूप में नामांकित करने से मना किया था। इसके बाद 14 अगस्त को वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर ने सीजेआई की पीठ के समक्ष इस गंभीर विषय का मौखिक रूप से उल्लेख किया। इस पर सीजेआई ने सख्त टिप्पणी की है।

बीसीआई ने कहा- आदेश वापस ले लिया गया

इस बीच कोर्ट ने निर्देश दिया कि बीसीआई या किसी भी राज्य बार काउंसिल द्वारा किसी भी विधि विश्वविद्यालय के छात्रों या संकाय के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बीसीआई के वकील ने बताया कि विवादित आदेश पहले ही वापस ले लिया गया है। इस पर सीजेआई ने कहा, कृपया सभी छात्रों को नामांकन कराने और सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल होने के लिए कहें, हम उन्हें कानूनी सहायता पाठ्यक्रमों के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

क्या है पूरा मामला?

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब नालसार के दीक्षांत समारोह 2026 में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का प्रस्ताव रखा गया। विश्वविद्यालय के स्नातक होने वाले छात्रों ने सीजेआई को बुलाने का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप था कि दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित ज्यादतियों और लाठीचार्ज से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई की टिप्पणियां और उनका आचरण न्यायसंगत नहीं था।

छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार

सीजेआई ने मामले पर की टिप्पणी

सीजेआई ने सुनवाई के दौरान बीसीआई द्वारा छात्रों के वकालत पंजीकरण पर रोक लगाने वाले परिपत्र पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा, अगर उनके विरोध करने का कोई कारण है, तो बीसीआई का इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह मेरे और छात्रों के बीच का संवाद है। छात्रों को विरोध करने का अधिकार है और बीसीआई इसमें हस्तक्षेप करने वाले कौन होते हैं? बीसीआई का इससे कोई सरोकार नहीं है कि छात्र क्या कर रहे हैं।



मैं भी छात्र रहा हूं और मैंने भी... : सीजेआई

सीजेआई ने कहा कि जब वे छात्र थे तब वे स्वयं छात्र गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे और छात्रों को शांतिपूर्वक अपनी आवाज उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं भी छात्र रहते हुए छात्र गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। वे शांतिपूर्वक अपनी आवाज उठा रहे हैं और उन्हें इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। मौखिक सुनवाई के दौरान मामले पर विचार किया गया और सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस जारी किया।

खबर संक्षेप

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बादल दिल्ली रवाना

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक गुरुद्वारे में कृपाण से किए गए हमले



में घायल शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को सर्जरी के बाद शुक्रवार को यहां एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिसके बाद वह दिल्ली रवाना हो गए। बता दें कि नांदेड़ शहर के बाहरी इलाके में स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी मुगत में एक निहंग ने बादल पर हमला कर दिया था। उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों ने कहा कि पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री की करीब 90 मिनट तक सर्जरी हुई। अंदरूनी चोट का उपचार कर दिया गया।

बच्चा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पुलिस ने बच्चों की तस्करी के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार



किया है, जिनमें दिल्ली के एक आईवीएफ क्लिनिक में काम करने वाली नर्स भी शामिल है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस ने इस गिरोह का पर्दाफाश कर दो बच्चों को बरामद किया, जिन्हें कथित तौर पर एक स्थानीय मेले से अगवा किया गया था। पुलिस के अनुसार, पांच अगस्त को ओबरी गांव के एक मेले से चार साल का उर्वेश जबकि नौ अगस्त को उसी मेले से एक और बच्चा सुलेमान लापता हो गया था।

पाकिस्तान ने 36 घंटे में मचा दी तबाही, मार डाले 62 आतंकी

कराची। पाकिस्तानी सेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तबाही मचा दी है। उत्तरी वजीरिस्तान और बन्नू जिलों में सुरक्षा बलों ने 36 घंटे से अधिक समय तक चले खुफिया जानकारी पर आधारित बड़े ऑपरेशन में 62 आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह से शुरू हुए इस अभियान में चार प्रमुख कमांडरों सहित 52 आतंकवादी उत्तरी वजीरिस्तान में मारे गए।

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन

सिंधु जल संधि निलंबित करना सही कदम इसका फायदा हमारे किसानों को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को बधाई देते हुए संबोधित किया। उन्होंने कहा- आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना किसानों के लिए एक निर्णायक कदम है। हम 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि हमारे स्टूडेंट भारत के भविष्य निर्माता हैं। जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सरकार और समाज का एकजुट रहना जरूरी है। उसी तरह विद्यार्थियों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी सभी के सम्मिलित प्रयास जरूरी हैं।



दुनिया में संकट, तेजी से बढ़ रही भारत की इकोनॉमी

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के भारत में हर कोई सपने देख सकता है और आगे बढ़ सकता है। दुनिया में युद्ध के कारण संकट है। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दुनियाभर में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर वैश्विक औसत से दोगुनी से भी ज्यादा रहने का अनुमान है।

देशवासी स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने

द्रौपदी मुर्मू ने कहा- 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने। निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान, अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं।

जनभागीदारी पर आधारित है हमारा संविधान

राष्ट्रपति ने कहा- हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। उस भावना को हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं यह हमारी लोकतंत्र की उपलब्धि है। अब से कुछ ही घंटों बाद, हमारे देश की स्वाधीनता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होगा। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीय यह पर्व उल्लास के साथ मनाते हैं। हमारा तिरंगा हमारी स्वाधीनता का प्रतीक है। इसे हम पूरी शान से फहराते हैं।

पिछले एक दशक में देश ने तेज गति से विकास किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए हम आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। 'वयं राष्ट्रे जागृयाम', यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है। विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है।

आतंक के समर्थकों को अंजाम भुगतना होगा

'ऑपरेशन सिंदूर' को याद करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को, चाहे वे कहीं भी छिपे हों, अंजाम भुगतना ही होगा। वहीं, सिंधु जल समझौते पर राष्ट्रपति बोलीं, 'आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में है। खासकर किसानों के लिए यह एक निर्णायक कदम है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर बोले मोदी

देश का विभाजन लोगों के दर्द को याद करने का दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार और बीजेपी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाते हुए विभाजन के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मार्मिक पोस्ट किया। ज्ञात हो कि मोदी सरकार देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वालों की याद में 2021 से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में याद करती है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने देश के विभाजन के दौरान हुई हिंसा, विस्थापन और जान-माल के नुकसान को याद किया तथा इसके लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया।



प्रधानमंत्री मोदी ने कहा....

यह दिन उन लोगों के संघर्षों और बलिदानों की याद में हमारी स्मृतियों में रहेगा, क्योंकि विभाजन का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता है। विभाजन के कारण हुई नफरत और हिंसा के कारण लाखों लोग विस्थापित हुए और कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। यह उनके साहस का सम्मान करने का भी दिन है। यह दिन हमारे देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की हमारी स्थायी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है।'

देश को बांटकर मां भारती के स्वाभिमान को चोट पहुंचाई

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, 'देश के विभाजन और उसकी त्रासदी के शिकार लोगों के दर्द को याद कर संवेदना व्यक्त करने का दिन है। इस दिन कांग्रेस ने देश को टुकड़ों में बांटकर मां भारती के स्वाभिमान को चोट पहुंचाई। विभाजन के कारण हिंसा, शोषण और अत्याचार हुए और करोड़ों लोगों ने विस्थापन झेला। मैं उन सभी लोगों के प्रति मन की गहराई से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।



राकांपा नेता जीशान सिद्दीकी को गोदारा गिरोह की धमकी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता जीशान सिद्दीकी ने शुक्रवार को मुंबई पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उन्हें गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह से जुड़े होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति से जान से मारने की धमकी मिली थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिद्दीकी को विदेश में रहने के दौरान पुर्तगाल के नंबर से उनके मोबाइल पर एक 'वॉयस नोट' भेजकर धमकी दी गई। उन्होंने बताया कि मुंबई लौटने के बाद, पूर्व विधायक ने बांद्रा पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

HMS साईटिका तेल
शिव साईटिका सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय,रायपुर छ.ग.

क्रमांक/डॉ.भी.अ.चि./क्रय/2025 / 11524 रायपुर दिनांक 13.08.2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना :-

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में पेंशनर एवं विभिन्न विभागों के आपात कालीन आवश्यकता हेतु औषधियों एवं डिस्पोजेबल/कंज्यूमेबल सामग्री क्रय करने हेतु निम्नानुसार ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर निम्नानुसार देखा जा सकता हैं।

DETAIL	BID SUBMISSION START DATE	BID DUE DATE	PHYSICAL FDR SUBMISSION END DATE	BID OPEN DATE (SCHEDULED)
190912 PENSIONER & LOCAL PURCHASE	18 AUG 2026 5:30:00 PM IST	21 SEP 2026 12:00:00 PM IST	21 SEP 2026 12:30:00 PM IST	21 SEP 2026 01:00:00 PM IST

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय
रायपुर (छ.ग.)
G-262702779/4

DISTRICT PROJECT LIVELIHOOD COLLEGE SOCIETYDANTEWADA DISTI. DANTEWADA (C.G.)
Mail.id- dplcdantewada@gmail.com

Ref. NO./ 177 /DPLCS/Museum/ Dantewada Dated 14/08/2026

Second Request for proposal (RFP)

Important dates for Tender

District Project Livelihood College Society, Dantewada, invites proposal for Interior, furniture, Artwork & overall development of Tribal Museum at South Bastar, Dantewada.

Submit your offer for the job as specified. Your offer should be submitted on-line as specified in this tender document and website **cgstate.gov.in**.

The last date of receipt of tender will be :- 01/09/2026 up to 5:00 PM
The date of opening of tender will be :- 02/09/2026 at 10:00AM
The date of opening of part-II of the tender (financial bid) will be :- To be Intimated Separately after Completion of technical evaluation
Pre bid Meeting Date :- 21/08/2026

Principal
District Project Livelihood College Society
Livelihood College Campus, Karli Block Geedam,
S-48763/3 District Dantewada Chhattisgarh - 494441

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

रायपुर
शनिवार 15 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीय
वर्ष : 25, अंक : 26
पृष्ठ : 12+12 = 24 मूल्य : 5.00**
मौसम
अधि. 27.8
न्यून. 25.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com





जो कुछ भी है, ईश्वर की कृपा से है

अनुभव वृतांत

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

तीन दिन पहले सोशल मीडिया पर अपने एक छायाचित्र के साथ अनायास ही एक पोस्ट लिखा था 'जो कुछ भी है, ईश्वर की कृपा से है।' यह वाक्य जीवन के अनुभव पर ही आधारित था। बीते कल उसी अनुभव से एक बार फिर गुजरने का अवसर मिला। मध्यप्रदेश अंतर्गत छतरपुर जिले के गढ़ा गाँव जाने का अवसर मिला, जहां पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का जन्म हुआ। वही गढ़ा, जिसे आज बागेश्वर धाम के रूप में राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। एक दशक पहले तक यह इलाका देश के उन पिछड़े और बुनियादी सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में गिना जा सकता था, जहां सामान्य जरूरतों के लिए भी लोगों को संघर्ष करना पड़ता था। आदिवासी बहुल इस क्षेत्र में विकास की गति बहुत धीमी थी। लेकिन एक दशक के भीतर इस गाँव और पूरे इलाके की दशा और दिशा, दोनों बदल गई हैं। इस बदलाव को समझने के लिए किसी आंकड़े की जरूरत नहीं। गांव में प्रवेश करते ही तस्वीर सामने दिखाई देने लगती है। जिस गांव में कभी चाय पीने के लिए एक छोटी-सी टपरी ढूंढ़ना भी मुश्किल रहा होगा, आज वहां होटल, मोटल, धर्मशालाएं और भोजनालय बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं। गांव की मूल आबादी से कई गुना अधिक लोग प्रतिदिन यहां आते-जाते हैं। यह संख्या कभी-कभी हजारों से लाखों में भी तब्दील हो जाती है। एक छोटे-से गांव का इस तरह तीर्थस्थल और आस्था के बड़े केंद्र में बदल जाना अपने आप में असाधारण घटना है। और इसके केंद्र में है-एक व्यक्ति। एक ऐसा व्यक्ति, जिसने स्वयं अत्यंत साधारण, अभावग्रस्त और संघर्षशील परिवार में जन्म लिया। दारिद्रय और अभावग्रस्त जीवन में जो भी दुखों की कल्पना की जा सकती है, वह उन्होंने बालपन में ही भोगा है। अपनी मां को महज एक साड़ी में महीनों गुजारते ⏭शेष पेज 4 पर

भगवान और भक्त बने आस्था के केंद्र

आज दुनिया जिस स्थान को बागेश्वर धाम के नाम से पुकारती है, दरअसल, वह छतरपुर जिले के छोटे से गांव गढ़ा में स्थित दो देवालयों से अपनी मूल पहचान पाता है। यहां एक ओर महादेव हैं, शिवलिंग के स्वरूप में। महादेव के दर्शन करते हुए अद्भुत अनुभूति होती है। शिवलिंग को देखकर ऐसा लगता है मानो आप स्वयं काशी विश्वनाथ के स्वरूप के दर्शन कर रहे हों। इस शिवलिंग के सम्मुख सदैव दीपक के माध्यम से प्रकाश रहता है। स्थानीय मान्यता है कि यहां विद्युत बल्ब प्रभावी नहीं रहते और दीपक की परंपरा निरंतर बनी हुई है। महादेव से कुछ ही दूरी पर हनुमान जी की प्रतिमा है। यही वह बालाजी हैं, जिनकी सेवा में आज पंडित धीरेंद्र शास्त्री स्वयं को समर्पित मानते हैं। वास्तव में बागेश्वर धाम की पहचान भी इसी बालाजी महाराज के नाम से जुड़ी हुई है। लेकिन आज जब देश के कोने-कोने से लोग यहां पहुंच रहे हैं, तो यह समझना कठिन हो जाता है कि कितने लोग बालाजी के दर्शन के लिए आ रहे हैं और कितने ⏭शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky | airtel
चैनल नं. 1155 | चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रैना समेत 5 कॉमेडियन के खिलाफ केस रद्द

नई दिल्ली। दिव्यांगों के खिलाफ कमेंट के केस में सुप्रीम कोर्ट ने



कॉमेडियन समय रैना समेत पांच के खिलाफ दर्ज केस शुक्रवार को रद्द कर दिए। इन पर इंजियाज गॉट लेटेंट शो में दिव्यांगों के खिलाफ कमेंट और उनका मजाक उड़ाने एफआईआर दर्ज की गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने ही दिव्यांगों के जागरूकता लाने की कोशिशों पर इन कॉमेडियंस की तारीफ की।

नायडू के केस में दखल से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश में



दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और मंत्री पी नारायण के खिलाफ केस रद्द किया गया था। यह मामला राजधानी अमरावती की लैंड पूलिंग योजना में कथित गड़बड़ी से जुड़ा है। ाचिकाकर्ता ने जमीन में गड़बड़ी का आरोप लगाया था कि बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है। इसमें 25 हजार से ज्यादा किसानों की करीब 30 हजार एकड़ जमीन शामिल है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हुए शामिल

सीएम साय बोले- विभाजन की पीड़ा एकता और अखंडता को बनाए रखने का संदेश दे रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विभाजन की पीड़ा हमें देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को हर परिस्थिति में अक्षुण्ण रखने का संदेश देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, वर्ष 1947 में देश का विभाजन केवल भू-भाग और सीमाओं का बंटवारा नहीं था। इस त्रासदी ने लाखों लोगों को अपनी जन्मभूमि, घर-बार और अपनों से बिछड़ने के लिए विवश कर दिया। बंगाली, सिख और सिंधी समाज सहित अनेक समुदायों के लाखों परिवारों ने विस्थापन की असहनीय पीड़ा झेली। जिन्होंने अपनी आंखों से उस ⏭शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के संचालनालय पुरातत्व स्थित मुक्ताकाशी मंच में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'के राज्य स्तरीय समारोह में कहा, इतिहास केवल अतीत की घटनाओं का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि वर्तमान को दिशा देने और भविष्य को सुरक्षित बनाने की सीख भी है। इसलिए विभाजन की विभीषिका और उससे मिले सबक को पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्मरण रखना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री मौन जुलूस में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय संचालनालय पुरातत्व से अंबेडकर चौक तक आयोजित मौन जुलूस में भी शामिल हुए। मौन जुलूस के माध्यम से विभाजन की त्रासदी में प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं लक्ष्मी वर्मा, ⏭ शेष पेज 4 पर



संगठित रहेंगे तो राष्ट्र भी संगठित : डॉ. द्विवेदी

समारोह के मुख्य वक्ता पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने कहा, यदि समाज संगठित रहेगा तो राष्ट्र भी संगठित रहेगा। राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। डॉ. द्विवेदी ने कहा, विभाजन के कारण विस्थापित हुए लाखों लोगों के संघर्ष और त्याग को इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे अधिकारी थे। उन्होंने अपने घर, संपत्ति और अपनों को खोया, फिर भी कठिन परिस्थितियों में नए सिरे से जीवन खड़ा किया और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया। उनके संघर्ष और पुरुषार्थ को ⏭ शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ के दो मजदूर सहित तीन अब भी लापता

चमोली के टनल में चल रहा अब भी रेस्क्यू



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तराखंड के चमोली जिले के मायापुर (पीपलकोटी) क्षेत्र में स्थित टीएचडीसी की निर्माणाधीन विष्णुगाड–पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी टनल हादसे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने का रेस्क्यू जारी है। तीन लोग अभी भी लापता हैं। लापता लोगों की पहचान झारखंड निवासी लुकास टोपनो तथा छत्तीसगढ़ निवासियों चेतन पोयाम और देवनाथ के रूप में हुई है, इनकी तलाश जारी है। गुरुवार देर शाम निर्माणाधीन सुरंग में मलबा और पानी भरने से कई मजदूर अंदर फंस गए थे। 7 लोगों की मृत्यु हो गई है।

ये हैं घायल

घायलों में शामिल सुनील दीवान, हारबिल गुड़िया, कमड़ा, निरस्तर भिंगरा, विनोद रावना, दीना बेगरा, खेला राम बिसरा, सुखेग सिंह, तिलकराज और पेन सिंह का गोपेश्वर स्थित जिला चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। इनमें सुनील दीवान और पेन सिंह छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। बिहार निवासी रोहित पांडे को गढ़वाल अस्पताल भेजा गया है।

थोक महंगाई घटी, लेकिन खाने पीने की चीजें अब भी हैं महंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ईंधन और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के बीच थोक मुद्रास्फीति नौ महीने में मासिक आधार पर पहली बार घटकर जुलाई में 9.78 प्रतिशत रही। शुक्रवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक मुद्रास्फीति जून के महीने में 9.87 प्रतिशत रही थी।



इन्होंने बढ़ाई महंगाई

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, मूल धातुओं का विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य उत्पादों का विनिर्माण तथा रसायन एवं रासायनिक उत्पाद जुलाई की थोक महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख कारक रहे।

ईंधन एवं बिजली क्षेत्र की महंगाई घटी

ईंधन एवं बिजली क्षेत्र की महंगाई जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई, जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी मामूली घटकर 5.44 प्रतिशत रही, जो जून में 5.49 प्रतिशत थी। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जो जून में 7.48 प्रतिशत थी।



5 वर्ष का होगा कार्यकाल

छग भू-संपदा अपीलीय अधिकरण अध्यक्ष बनीं रिटायर्ड जज दुबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



सेवानिवृत्त न्यायाधीश रजनी दुबे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर को छत्तीसगढ़ भू-संपदा अपीलीय अधिकरण रायपुर के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा भू-संपदा (विनियमन ⏭शेष पेज 4 पर

रेरा अपीलीय अधिकरण क्या है

भू-संपदा (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र को विनियमित एवं प्रोत्साहित करना, परियोजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा आवंटियों/उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और विवादों के त्वरित निपटारे के लिए प्रभावी व्यवस्था स्थापित करना है।

15 अगस्त से एक दिन पहले हड़कंप

लालकिला समेत 6 जगह को बम से उड़ाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लाल किला, दिल्ली हाईकोर्ट, आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 समेत 6 जगहों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले मिली इस धमकी से सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट मोड में हैं। धमकी भरे ई-मेल में दिल्ली हाईकोर्ट और जिला अदालत में धमाके के समय का भी जिक्र किया गया है।

खालिस्तान के नाम पर ई-मेल

दरअसल, 15 अगस्त से पहले खालिस्तान के नाम पर धमकी भरा ई-मेल मिला है। इसमें दिल्ली हाईकोर्ट में दोपहर 2:11 बजे धमाके का दावा किया गया है। वहीं, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में 3:11 बजे ब्लास्ट की धमकी दी गई है। ई-मेल में 15 अगस्त को धमाके करने की बात कही गई है और संदेश में लिखा है-

मरम्मत के अभाव में पुल के स्लैब में आई गई थी दरारें

भारी बारिश से बहा धोंधा में करोड़ों का पुल, दर्जनों गांव के लोग प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

सूरजुपर जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम धोंधा स्थित नदी पर बना पुल रातभर हुई बारिश में बह गया। पुल का निर्माण 10 करोड़ की लागत से किया गया था। गुरुवार को रातभर बारिश हुई। सुबह जब लोगों की आंखें खुलीं और नदी की ओर पुल से होकर दर्जनों गांवों के लोगों की आवाजाही होती थी।





दिए गए जांच के निर्देश

ग्राम पंचायत धोंधा स्थित नदी पर बने पुल के बह जाने की जानकारी मिली है। संबंधित विभाग को जांच कर कड़ी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

-श्रीमती रेना जमील, कलेक्टर सूरजपुर

हजारों लोगों की बढ़ी मुसीबतें

पुल के ध्वस्त होने से आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीणों के सामने आवागमन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। नदी के दोनों ओर रहने वाले लोगों का संपर्क प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार अब क्षेत्र के लोगों को लंबा और कठिन रास्ता अपनाना पड़ सकता है। बारिश के मौसम में यह समस्या और गंभीर होने की आशंका है। पुल की स्थिति पहले से ही खराब थी।

चिंतन

आजाद देश में अपशब्द कहने की आजादी नहीं

लोकतंत्र में सत्ता से सवाल पूछना और सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक असहमति को व्यक्तिगत अपमान और अभद्र भाषा में बदल देना लोकतांत्रिक मर्यादा के लिए गंभीर चुनौती है। देश को ऐसी राजनीति की जरूरत है, जिसमें कटाक्ष की जगह मुद्दे हों, आरोपों की जगह तथ्य हों और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच संवैधानिक पदों की गरिमा कायम रहे। नेता बदलते रहेंगे, लेकिन लोकतांत्रिक मर्यादा और जनता का सम्मान स्थायी रहना चाहिए। ऐसे में आजाद देश में किसी को अपशब्द कहने की आजादी कतई नहीं हो सकती। ऐसे में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा भाजपा और आरएसएस पर मनुवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाना कहां तक उचित है? लोकतंत्र में असहमति की जगह जितनी बड़ी है, सार्वजनिक जीवन में मर्यादा की जरूरत भी उतनी ही है। राजनीतिक बहस जब तर्क से हटकर व्यक्तिगत कटाक्ष और सार्वजनिक उपहास में बदल जाती है तो चोट केवल किसी व्यक्ति को नहीं लगती, लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता भी गिरती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हल्द्वानी रैली के बाद मंच के 'शुद्धिकरण' का विवाद इसी व्यापक राजनीतिक गिरावट के बीच सामने आया है। यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना महत्वपूर्ण है कि ऐसी घटना दुखद है और भाजपा ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। यदि किसी स्तर पर भेदभावपूर्ण व्यवहार हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई भी। लोकतंत्र में किसी गलत घटना का विरोध करते हुए भी शब्दों की मर्यादा कायम रखना जरूरी है। अन्यथा एक गलत व्यवहार दूसरे गलत व्यवहार के लिए बहाना बन जाता है और समाज लगातार टकराव की ओर बढ़ता जाता है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। यह पद उन्हें सरकार से सवाल पूछने की असाधारण जिम्मेदारी देता है। उन्हें बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक न्याय, आर्थिक असमानता और संवैधानिक संस्थाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहिए, लेकिन यदि हर राजनीतिक विवाद को व्यक्तिगत हमले और उत्तेजक भाषा में बदल दिया गया तो विपक्ष की गंभीरता स्वयं कमजोर होगी। जनता विपक्ष से केवल सरकार की आलोचना नहीं, बेहतर विकल्प की अपेक्षा करती है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी भी इससे कम नहीं है। विपक्ष की तीखी भाषा का जवाब उससे भी तीखे व्यक्तिगत हमले से देना स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं हो सकती। लोकतांत्रिक मर्यादा का पैमाना सत्ता और विपक्ष के लिए अलग-अलग नहीं हो सकता। आज राजनीति सोशल मीडिया के दौर में है, जहां एक उत्तेजक वाक्य कुछ मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इसलिए नेताओं के शब्दों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। मीम और वायरल क्लिप तत्काल राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन वे बेरोजगारी नहीं मिटाते, महंगाई कम नहीं करते और सामाजिक विश्वास नहीं बनाते। आजाद देश में बोलने की आजादी लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन अपशब्द बोलने की आजादी लोकतंत्र की पहचान नहीं हो सकती। असहमति को दबाया नहीं जाना चाहिए, मगर असहमति की भाषा भी ऐसी होनी चाहिए जो समाज को जोड़े। चुनाव आते-जाते रहेंगे, सरकारें बदलती रहेंगी और नेता भी बदलेंगे; स्थायी रहना है तो संविधान, संस्थाओं और नागरिक गरिमा का सम्मान। यही परिपक्व लोकतंत्र की कसौटी है। सत्ता सवालों से न डरे, विपक्ष तर्क से न भागे और दोनों भाषा की मर्यादा न भूलें।



विचार

सीपी राधाकृष्णन

स्वतंत्र भारत के मशालवाहक

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं प्रत्येक भारतवासी को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही, मैं उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को सादर नमन करता हूं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

पिछले सप्ताह अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा के दौरान मुझे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हमारे राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा महान देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक स्मृति को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण अनुभव था कि मैं उस पवित्र धरती पर खड़ा था, जहां नेताजी की आज़ाद हिंद फ़ौज ने 30 दिसंबर 1943 को भारत की भूमि पर पहली बार तिरंगा फहराया था। इस अवसर ने मुझे सितंबर 1939 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मदुरै यात्रा का भी स्मरण कराया, जब वे महान स्वतंत्रता सेनानी पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर के निमंत्रण पर वहां पहुंचे थे। उस ऐतिहासिक क्षण ने क्षेत्र के असंख्य देशभक्तों के हृदय में स्वतंत्रता की अलख जगाई।

अंडमान स्थित राष्ट्रीय स्मारक सेल्युलर जेल की मेरी यात्रा एक अन्य अत्यंत प्रेरणादायी क्षण रही।

इसी जेल में भारत माता के महान सपूत वीर सावरकर, योगेंद्र शुक्ल, बटुकेश्वर दत्त, सचिंद्र नाथ सान्याल और अनेक अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा कैद कर एकांत कारावास में रखा गया था। आज भी राष्ट्रीय स्मारक की ये दीवारें उन वीरों के साहस, उन्हें दी गई यातनाओं और सर्वोच्च बलिदान की गाथाएं सुनाती प्रतीत होती हैं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। इस यात्रा ने मुझे उन सभी राष्ट्रनायकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप यह लेख लिखने को प्रेरित किया, जिन्होंने करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की और राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाया।

9 अगस्त को, जब हम भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति मना रहे थे, मुझे अंडमान द्वीप समूह में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। वर्ष 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान करते हुए राष्ट्र को करो या मरो का ओजस्वी नारा दिया था। इस आह्वान के परिणामस्वरूप पूरे देश में आजादी प्राप्त करने की प्रबल आकांक्षा व्याप्त हो गई।

आज हमें उसी स्वतंत्रता सेनानी पीढ़ी के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस लेने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक अधिकारों के साथ जीवन जीने का सौभाग्य प्राप्त है, जिन्होंने अपने समय की औपनिवेशिक शक्तियों के विरुद्ध संघर्ष किया। उस समय देश के कोने-कोने में करोड़ों वीर स्वतंत्रता सेनानी अटूट समर्पण और त्याग के साथ इस संघर्ष में शामिल हुए तथा अनेक वीरों ने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवगाथा

स्वतंत्रता सेनानी चाहे उत्तर में कश्मीर से हों या दक्षिण में तमिलनाडु से, पश्चिम में गुजरात से हों या पूर्व में असम से—देश के सभी क्षेत्रों, वर्गों, आयु समूहों और लिंगों के लोगों ने भारत माता की स्वतंत्रता के साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रतिरोध की अमर प्रतीक बनीं रानी लक्ष्मीबाई का शौर्य, मंगल पांडे का साहस और बाल गंगाधर तिलक का वह निर्भीक उद्घोष—स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा—स्वतंत्रता की ओर बढ़ते राष्ट्र के प्रत्येक कदम को शक्ति प्रदान करता रहा।

इसी क्रम में वीओ चिदंबरम पिल्लै ने भारत का पहला स्वदेशी पोत-परिवहन उद्यम शुरू कर औपनिवेशिक शासन के आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती दी। इससे यह सिद्ध हुआ कि स्वतंत्रता का संघर्ष केवल रणभूमि तक सीमित नहीं था, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में भी लड़ा गया था।

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की क्रांतिकारी भावना ने आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के लिए त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं रानी गैदिनल्यू की अदम्य भावना ने पूर्वोत्तर भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की लौ प्रज्वलित रखी।

असम की युवा वीरांगना कनकलता बरुआ भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व करते हुए अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर अदम्य साहस के साथ आगे बढ़ीं और अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा तथा अनेक जनजातीय नेताओं ने भी औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक प्रतिरोध का नेतृत्व किया। इतिहास के पन्नों में ऐसी असंख्य गाथाएं हैं, जो साहस, संघर्ष, धैर्य



और दृढ़ संकल्प से भरी हुई हैं। इन सभी गाथाओं ने मिलकर साहस और बलिदान की समृद्ध विरासत का निर्माण किया है। वे हमें याद दिलाती हैं कि भारत की स्वतंत्रता अनगिनत वीरों के सामूहिक संकल्प से प्राप्त हुई थी और उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

स्वतंत्रता आंदोलन में तिरुप्पुर का योगदान

इस स्वतंत्रता दिवस पर मैं तिरुप्पुर कुमारन को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्हें लोकप्रिय रूप से कोडी काथा कुमारन अर्थात ध्वज की रक्षा करने वाले कुमारन के नाम से जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मेरे पैतृक स्थान तिरुप्पुर में उन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मृत्यु निकट जानते हुए भी उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को धरती पर नहीं गिरने दिया। इसी कारण उन्हें यह सम्मानजनक उपाधि मिली।

कम उम्र में ही कुमारन के हृदय में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित हो उठी थी। स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है के आह्वान से प्रेरित होकर वे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए। महात्मा गांधी के आदर्शों से अत्यंत प्रभावित होकर कुमारन जी ने लोगों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए देशबंधु युवा संघ की स्थापना की। कुमारन का दृढ़ विश्वास था कि सच्ची स्वतंत्रता तभी प्राप्त की जा सकती है, जब लोग औपनिवेशिक शासन के अन्याय के प्रति जागरूक हों और उसके विरुद्ध संघर्ष करने का साहस तथा स्पष्ट दृष्टि विकसित करें।

गांधीवादी सामाजिक सुधार के सिद्धांतों के प्रति समर्पित कुमारन ने मद्यनिषेध अभियान को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया। वे इसे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में आवश्यक कदम मानते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने ताड़ी की दुकानों के सामने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और लोगों को मद्यपान से दूर रहने तथा आत्म-अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

10 जनवरी 1932 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान कुमारन ने एक जुलूस का नेतृत्व किया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे वे कुछ साहसी साथियों के साथ आगे बढ़े और तिरुप्पुर की सड़कों पर वंदे मातरम् के जोशीले नारे गूंज उठे।

औपनिवेशिक शक्तियों ने इस समूह पर हमला कर दिया। वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए और राष्ट्रीय ध्वज को अपने शरीर से लगाए कुमारन के सिर पर गंभीर चोटें आईं और राष्ट्र के लिए उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मृत्यु के समय उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी।

जब मैं तिरुप्पुर कुमारन की आयु का उल्लेख करता हूं, तो मुझे उन अनेक युवाओं की याद आती है, जिन्होंने भारत माता के लिए अपने प्राण बलिदान कर दिए। इनमें भगत सिंह (23 वर्ष), सुखदेव (23 वर्ष), राजगुरु जी (22 वर्ष), खुदीराम बोस जी (18 वर्ष), कनकलता बरुआ (18 वर्ष), अनंत लक्ष्मण कान्हेरे (19 वर्ष), वंचिनाथन (25 वर्ष) और ऐसे अनेक युवा शामिल हैं। उन्होंने नश्वर जीवन त्याग कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अमर स्थान प्राप्त किया।

मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस पहल की सराहना करता हूं, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन के उन गुमनाम नायकों को देश के सामने लाया जा रहा है, जिनका योगदान लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में अपेक्षाकृत अनदेखा रहा। मैं सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर आइए, हम अपनी मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों पर चिंतन करें और अपनी प्रतिबद्धता पुनः दृढ़ करें। इस अमृतकाल में 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के स्वयं को समर्पित करें और राष्ट्र की प्रगति तथा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य करें। यही उन वीर सपूतों के प्रति हमारी सबसे सच्ची और उचित श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अटूट साहस के साथ संघर्ष किया और हमारी स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण उत्सर्ग किए।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं।)

सारा संसार



पुडुचेरी का मनकुला विनयगर मंदिर गणेश जी का 300 साल से भी ज्यादा पुराना मंदिर है, जो बंगाल की खाड़ी के पास स्थित है। मनकुला नाम का मतलब रेत का तालाब है। यह मंदिर अपनी स्वर्ण रथ यात्रा और हाथियों के आशीर्वाद के लिए काफी प्रसिद्ध माना जाता है। इस मंदिर में विराजमान गणपति जी को वरसिद्धि विनायक के नाम से जाना जाता है।

दर्शन

अहंकार को त्यागने और अनुशासन से मिलती है सफलता

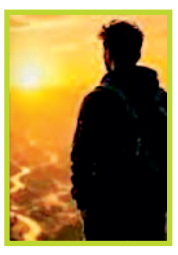

संकलित

आज के समय में ज्योतिषी या अध्यात्मिक गुरु के पास आने वाले अधिकांश लोग किसी चमत्कार या शॉर्टकट की तलाश में होते हैं। वे चाहते हैं कि कोई रत्न पहन लेने से या कोई छोटा सा उपाय कर लेने से उनके जीवन के सारे कष्ट बिना किसी परिश्रम अथवा बिना किसी आत्म-परिवर्तन के दूर हो जाएं। अगर सूर्य से व्यक्ति को लाभ न मिल रहा हो तो ज्योतिष के साधारण नियम अनुसार, उसे बलवान करने के लिए माणिक्य रत्न पहनाया जाता है। यदि किसी की जन्मकुंडली में सूर्य कमजोर है और ज्योतिषी ने उसे मान-सम्मान वृद्धि के लिए अपने भीतर के अहंकार को त्यागने और अनुशासन लाने को कहा, तो शायद यह बात सामने वाले जातक को उतनी अच्छी न लगकर केवल उपदेशात्मक लगे। अनुभव में आया है कि जातक ने सूर्य का रत्न तो पहन लिया, लेकिन यदि जातक अपने अहंकार को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, तो केवल सूर्य का रत्न पहन कर भी उसे पूर्ण सफलता नहीं मिलती, ऐसे में वह सारा दोष रत्न, ज्योतिषी या गुरु को देगा, अपने व्यवहार को नहीं। एक सच्चा गुरु या ज्योतिषाचार्य इस मानवीय स्वभाव को भली-भांति जानता-समझता है। कबीरदास जी ने गुरु और शिष्य के इस संबंध को बहुत ही अच्छे ढंग से कहा है- गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट। अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।। शास्त्रों में एक उदाहरण आता है, यदि वर्षा की बूंदें स्वाति नक्षत्र की भी हों, तब भी वे सीप में गिरकर ही मोती बनती हैं।

प्रेरणा

सच्चा प्रेम में आजादी, मोह में अधिकार की भावना

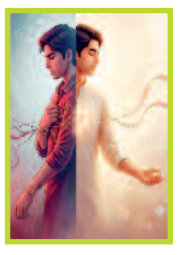

संकलित

किसी के साथ रहना अच्छा लगना प्रेम हो सकता है, लेकिन उसके बिना बेचैन हो जाना हमेशा प्रेम नहीं होता। कई बार रिश्तों में अपनापन और अधिकार की भावना इतनी घुल जाती है कि हमें पता ही नहीं चलता कि हम प्यार कर रहे हैं या सामने वाले से मोह करने लगे हैं। प्रेम में मन को विस्तार मिलता है, जबकि मोह धीरे-धीरे मन को बांधने लगता है। श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं में भी आसक्ति, अपेक्षा और मन की स्थिरता को लेकर गहरी बातें कही गई हैं। सच्चा प्रेम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छाओं के अनुसार बदलने की कोशिश नहीं करता। इसमें सामने वाले की पसंद, भावनाओं और स्वतंत्रता का सम्मान होता है। इसके विपरीत मोह में यह भावना मजबूत होने लगती है कि दूसरा व्यक्ति हमेशा हमारे मुताबिक व्यवहार करे। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।' अर्थात मनुष्य का अधिकार कर्म करने पर है, उसके परिणाम पर नहीं। रिश्तों में भी इस सीख को समझा जा सकता है। प्रेम करें, अपना व्यवहार सच्चा रखें, लेकिन सामने वाला उसी तरह प्रतिक्रिया दे, इसकी जिद न करें। अगर किसी रिश्ते में सच्चा प्रेम है तो दूरी या व्यस्तता के बावजूद विश्वास बना रहता है। लेकिन, मोह बढ़ने पर व्यक्ति बार-बार यह सोच सकता है कि कहीं दूसरा उसे छोड़ न दे। फोन का जवाब देर से मिलना, कम बातचीत होना या अकेले समय बिताना भी बेचैनी पैदा करने लगता है।

स्वतंत्रता दिवस विशेष

डॉ. नरेश मिश्र



हिंदी: स्वतंत्रता की आवाज से राष्ट्र की अभिव्यक्ति तक

पंद्रह अगस्त केवल उस दिन की स्मृति नहीं है, जब भारत ने अंग्रेजी शासन की बेड़ियां तोड़ी थीं। यह उस आत्मसम्मान की याद भी है, जिसने एक गुलाम देश को स्वतंत्र राष्ट्र बनने का साहस दिया। लेकिन स्वतंत्रता के आठ दशकों बाद भी एक प्रश्न हमारे सामने खड़ा है-जिस हिंदी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भारत की आवाज बनकर देश को जोड़ा, वह आज भी 'राष्ट्रभाषा' क्यों नहीं कहलाती? हिंदी केवल एक भाषा नहीं, करोड़ों भारतीयों की संवेदना, संवाद और अभिव्यक्ति है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी ने भाषाई विविधताओं के बीच राष्ट्रीय चेतना का सेतु बनाया।

'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय हिंद' जैसे उद्घोषों में देश की धड़कन सुनाई देती थी। महात्मा गांधी का स्पष्ट मत था—"राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।" आज हिंदी का संसार और भी व्यापक हो चुका है।



साहित्य से सिनेमा तक, समाचार से सोशल मीडिया तक और बाजार से वैश्विक मंचों तक हिंदी अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रही है। दुनिया भारत को जिस तेजी से जान रही है, उसी तेजी से हिंदी भी भारत की पहचान बनकर उभर रही है। फिर भी विडंबना देखिए—हम हर वर्ष हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा मनाते हैं, हिंदी के गौरव का बखान करते हैं, लेकिन हिंदी के राष्ट्रीय स्वरूप पर गंभीरता से विचार करने से बचते हैं। यह प्रश्न किसी अन्य भारतीय भाषा के विरोध का नहीं है।

भारत की शक्ति उसकी भाषाई विविधता में है। प्रश्न केवल इतना है कि इस विविधता के बीच वह भाषा, जिसने सदियों से जनमानस को जोड़ा और स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया, उसे उसके उचित सम्मान की दृष्टि से कब देखा जाएगा? तिरंगा हमारी आंखों में भारत का स्वाभिमान जगाता है, राष्ट्रगान हमारे हृदय में राष्ट्रभाव भरता है और हिंदी करोड़ों कंठों को अभिव्यक्ति देती है। इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हिंदी को किसी भाषा के विरुद्ध नहीं, बल्कि भारतीय एकता, संस्कृति और राष्ट्रीय संवाद की सशक्त कड़ी के रूप में देखें। क्योंकि सवाल केवल यह नहीं कि हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं है; सवाल यह भी है कि जिस भाषा में करोड़ों भारतीय अपने मन की बात कहते हैं, क्या हमने कभी उस आवाज को पूरे मन से सुना है? यही प्रश्न इस स्वतंत्रता दिवस पर हमारे मन में रहना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वतंत्रता दिवस



पुरी। ओडिशा के पुरी में कलाकार सुदर्शन पटनायक के बनाए गए 80वें स्वतंत्रता दिवस को दर्शाता एक सैंड आर्ट (रेत की कलाकृति)। इसे देख कर समुद्र तट से गुजरने वाले अभिभूत हो गए।

आज की पाती

आयकर के प्रति गंभीरता जरूरी

वर्ष 1860 को सर जेम्स विल्सन ने कर व्यवस्था को शुरू किया था। आयकर दिवस मनाने का मुख्य कारण करदाताओं का देश के विकास में जो महत्वपूर्ण योगदान है, उसके लिए इन्हें सम्मान देना और लोगों को आयकर के प्रति जागरूक करना भी है। जितने भी करदाता हैं, चाहे वो बिजनेसमैन हों, छोटे-बड़े उद्योगपति हों, दुकानदार या अन्य कोई भी, इन सभी का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। सरकारें आमजन को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं देती हैं वो भी इन्हीं करदाताओं की बदौलत हैं। देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने में टैक्स प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। कर देने वालों का सम्मान जरूरी है, ताकि देश में विकास कार्य न रुकें।

– नारायण देवांगन, भिलाई

ट्रेंड

ज़ीरो टॉलरेंस



नशीले पदार्थों के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए एनसीबी ने ड्रग तस्करी के सरगना व भगोड़े वीरेंद्र सिंह बसोया को यूएई से वापस लाने में सफलता हासिल की है।

- **अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

राष्ट्रीय ध्वज



राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' सभी को जोड़ता है... आम नागरिकों से लेकर साधु-संतों और त्यागियों तक, यह सबको अपनी ओर आकर्षित करता है और उन लोगों के दिलों-दिमाग में राष्ट्रवाद और गर्व की भावना जगाता है जो हिंदुस्तान को अपने भीतर बसाए हुए हैं।

- **स्मृति ज़ेड ईरानी,** पूर्व कैबिनेट मंत्री

माइंस एंड मिनरल्स बिल



संसद ने बिना किसी बहस के 'माइंस एंड मिनरल्स बिल' पास कर दिया, लेकिन इसके संघीय ढांचे पर बुरे असर पड़ सकते हैं। यह बिल सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को पलटता है, तटीय राज्यों को उनके जायज़ राजस्व से वंचित करता है और निश्चित रूप से इसे कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

- **शशि थरूर,** सांसद, कांग्रेस

मिलावट की समस्या



आज देश में मिलावट की समस्या प्रमुखता से सामने आ रही है। मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थ जन-स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है।

- **कमलनाथ,** पूर्व सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

उत्तर कोरिया ने की अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास की निंदा

सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास को युद्ध का पूर्वाभ्यास बताते हुए शुक्रवार को इसकी निंदा की और आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की धमकी दी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं सोमवार से अपना वार्षिक व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू करेंगी। दोनों देशों ने कहा है कि इस साल अभ्यास का दायरा पिछले वर्षों के समान होगा। दोनों सहयोगी देशों ने कहा है कि 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया के खतरों से निपटने की उनकी तैयारियों को मजबूत करना है। उन्होंने दोहराया कि यह अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है। उत्तर कोरिया की चेतावनी से संकेत मिलता है कि वह आगामी दिनों में हथियारों के और परीक्षण कर सकता है।



उसके पड़ोसी देशों ने पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दो बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण की जानकारी दी थी। उत्तर कोरिया ने इन प्रक्षेपणों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन विशेषज्ञों का आकलन है कि इनका संभावित उद्देश्य अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास का विरोध करना या हथियार प्रणालियों को उन्नत करना था। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को सरकारी मीडिया में जारी एक बयान में अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास को 'आक्रामक युद्ध का ऐसा पूर्वाभ्यास'' बताया जिससे 'क्षेत्र में अलग स्तर की अस्थिरता पैदा हो रही है।'

ऑफ बीट

दूसरे के गलत होने का अहसास भी करता है परेशान

वॉशिंगटन। टीके, जलवायु परिवर्तन या चुनाव जैसे मुद्दों पर मतभेद अक्सर इतने व्यक्तिगत क्यों महसूस होते हैं? एंड्रास मोलनार (मिशिगन विश्वविद्यालय) और



जॉर्ज लोवेनस्टीन (कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय) का कहना है कि हमारे शोध से पता चलता है कि ऐसा केवल इसलिए नहीं होता कि दूसरे लोगों की मान्यताएं हमसे अलग होती हैं, बल्कि इसलिए होता है, क्योंकि हमें लगता है कि उनकी मान्यताएं गलत हैं। हम व्यवहार विज्ञान के शोधकर्ता हैं और राजनीति तथा रोजमर्रा की जिंदगी में मान्यताओं की भूमिका का अध्ययन करते हैं। हमारे नए शोध में पाया गया है कि लोग दूसरों की मान्यताओं से तब ज्यादा परेशान होते हैं, जब उन्हें लगता है कि वे मान्यताएं केवल उनसे अलग नहीं हैं, बल्कि गलत सूचनाओं पर आधारित हैं। उदाहरण के लिए, दो लोग आव्रजन के आदर्श स्तर को लेकर असहमत हो सकते हैं। लेकिन, अगर उनमें से एक का मानना है कि प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में अधिक अपराध करते हैं और दूसरा व्यक्ति आंकड़ों के आधार पर इसके विपरीत मानता है, तो उनकी असहमति वास्तविकता और सच्चाई को लेकर विवाद में बदल जाती है। यह अंतर महत्वपूर्ण है, क्योंकि ध्रुवीकरण पर होने वाली सार्वजनिक बहस अक्सर एक सामान्य विचार से शुरू होती है, लोग उन लोगों को पसंद करते हैं जो उनके जैसा सोचते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

15 अगस्त पर हर कोई ढूंढता है ये देशभक्ति गाना

नई दिल्ली। एक तरफ जहां बॉलीवुड में मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, किशोर कुमार, मुकेश जैसे बेहतरीन गायक हैं। वहीं कुछ ऐसे सिंगर्स भी हैं, जिन्हें वो पहचान नहीं मिली जिसके वो काबिल थे। हम बात कर रहे हैं भारतीय सिनेमा के एक ऐसे नगीने की जिन्हें देशभक्ति की आवाज माना जाता था। मनोज कुमार ने बॉलीवुड को कई ऐसे दमदार गाने दिए जो आज भी इस राष्ट्रीय पर्व की पावन बेला पर हर कार्यक्रम में जरूर बजते हैं। मेरे देश की धरती सोना उगले, है प्रीत जहां की रीत सदा और अब के बरस तुझे धरती की रानी उनके कुछ पॉपुलर गाने हैं जिन्हें भुला पाना बेहद मुश्किल है।

मनोज कुमार के इस गाने के बिना अधूरा है आजादी का संकल्प



लता के साथ भी गाए कई गानें

आशा भोंसले और लता मंगेशकर के साथ उनके डूएट गाने बेहद लोकप्रिय हुए। फिलहाल आज हम बात कर रहे हैं महेंद्र कपूर के सबसे खूबसूरत गाने 'दुल्हन चली' के बारे में। यह गाने फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का है और इसे मनोज कुमार के ऊपर फिल्माया गया है। इंदीवर ने इसके लिरिक्स लिखे थे। इस गाने में आजादी को एक दुल्हन की तरह दिखाया गया है, इसलिए ये अन्य देशभक्ति गीतों से एकदम अलग गाना है।

56 साल पहले रिलीज हुआ था गाना

गाने के बोल तीन रंग की चोली का मतलब तिरंगा झंडा से है, जिसे गीतकार ने दुल्हन की तरह परिभाषित किया है। कल्याण जी-आनंद जी का संगीत और मनोज कुमार और सायरा बानो की अदाकारी ने इसमें खूब रस घोला। ये गाना आज भी जब बजता है तो दिल में सरफरोशी की तमन्ना जागने सी लगती है। इस गीत के बिना आज भी स्वतंत्रता दिवस का सेलिब्रेशन अधूरा है। महेंद्र कपूर ने हिंदी के अलावा पंजाबी, मराठी और गुजराती फिल्मों में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। मराठी सिनेमा में वे प्रसिद्ध अभिनेता दादा कोंडके की आधिकारिक आवाज बन गए थे और वहां उन्होंने बेहद चुलबुले और लोक संगीत पर आधारित गाने गाए।

हजारों की भीड़ में गूंजा था 'जय हिंद'

63 साल पहले लता ने गाया था सबसे यादगार देशभक्ति गीत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिंदी सिनेमा की महान गायिका के तौर पर लता मंगेशकर को याद किया जाता है। अपने 6 दशक से लंबे सिंगिंग करियर के दौरान सुरों की कोकिला ने कई शानदार गीत गाए थे। देशभक्ति गीतों में भी लता दीदी की आवाज काफी गूजी थीं। इस आधार पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर को मद्देनजर रखते हुए आज हम आपको लता मंगेशकर द्वारा गाए सदी के सबसे यादगार देशभक्ति गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे 63 साल पहले रिलीज किया गया था। खास बात ये थी कि ये गाना किसी फिल्म से नाता नहीं रखता है।



यह गाना किसी फिल्म से नहीं रखता नाता

जब कोई राष्ट्रीय पर्व आता है, तो देश के उन वीर शहीद जवानों को याद किया जाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी प्राण न्योछावर कर दिए थे। उनके सम्मान और याद में गायिका लता मंगेशकर ने 63 साल पहले एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान हजारों की भीड़ के सामने एक ऐसा देशभक्ति गीत गाया था, जो आज के जमाने में भी कल्ट क्लासिक बना हुआ है। इस गाने के बोल हैं- ऐ मेरे वतन के लोगों... ।

दिल्ली के राष्ट्रीय स्टेडियम में गाया था

इस गाने को लता मंगेशकर ने 27 जनवरी 1963 को राजधानी दिल्ली के राष्ट्रीय स्टेडियम में गाया था। लता दीदी का ये देशभक्ति भारतीय सेना के उन शहीदों की शहादत के लिए बनाया गया था, जिन्होंने 1962 में चीन के खिलाफ सैन्य युद्ध में अपने देश के प्रति बलिदान दिया था। ऐ मेरे वतन के लोगों... को लता मंगेशकर की आवाज के लिए संगीतकार के मधुर संगीत के लिए भी जाना जाता है, जिसे म्यूजिसियन सी. रामचंद्र ने दिया था। इसके अलावा इस अद्भुत गीत के लिरिक्स गीतकार कवि प्रदीप की कलम से निकले थे। 15 अगस्त के मौके पर इस देशभक्ति गीत की गूंज हर तरफ सुनाई देती है।

रोने लगे थे देश के प्रधानमंत्री

लता मंगेशकर द्वारा गाए गए ऐ मेरे वतन के लोगों... गीत काफी इमोशनल देशभक्ति गीत भी माना जाता है। कहा ये भी जाता है कि जब लता दीदी ने राष्ट्रीय स्टेडियम में ये गाना गाया था, तो उस वक्त वहां मंच पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू भी मौजूद थे और ये गीत सुनकर उनकी भी आंखें नम हो गई थीं।

रानी को मिला खास सम्मान, सिनेमा में पूरे किए 3 दशक



मुंबई। रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने कभी समाज की सोच को चुनौती देने वाली महिलाओं का किरदार निभाया, तो कभी मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं की कहानी पर्दे पर उतारी। अब इसी को देखते हुए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। तीन दशक से ज्यादा समय से अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली रानी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में खास सम्मान दिया गया है। उन्हें एक्टिंग में बेहतरीन योगदान के लिए स्पेशल सिटेशन से सम्मानित किया गया। रानी के इस सम्मान को भारतीय सिनेमा में उनके लंबे और शानदार सफर के लिए एक बड़ी पहचान माना जा रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें आज भी दर्शक याद करते हैं। उनके किरदारों और फिल्मों ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी लोगों के दिलों तक जगह बनाई है।



स्वतंत्रता दिवस पर इन गानों से मनाएं आजादी का जश्न देशभक्ति से भर जाएगा माहौल

नई दिल्ली। 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस का दिन हर भारतीय के लिए बेहद खास होता है। इस दिन देशभर में आजादी का जश्न मनाया जाता है और हर तरफ देशभक्ति का माहौल देखने को मिलता है। बॉलीवुड ने भी कई ऐसे गाने दिए हैं, जिन्हें सुनते ही दिल में देश के लिए प्यार और गर्व की भावना जाग उठती है। ऐसे में इस स्वतंत्रता दिवस पर आप इन शानदार देशभक्ति गानों के साथ आजादी का जश्न मना सकते हैं।

मिट्टी के बेटे

बॉर्डर 2 का गाना मिट्टी के बेटे को दर्शकों का खूब प्यार मिला। ये गाना जवानों के बलिदान और उनकी बहादुरी को समर्पित है। सोनू निगम की आवाज में ये गाना फौजियों के लिए सम्मान और देश के लिए गर्व की भावना को और मजबूत करता है। इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं।

ऐ वतन

आलिया भट्ट स्टारर 'राजी' का 'ऐ वतन' देश के लिए प्यार और जज्बे को बखूबी दिखाता है। सुनिधि चौहान की आवाज में गाया गया ये गाना गुलजार और अल्लामा इकबाल की लिखी पंक्तियों से सजा है। गाने में एक देशभक्त की अपने वतन के लिए दुआ और भावनाएं सुनने को मिलती हैं।



तेरी मिट्टी

अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' का 'तेरी मिट्टी' देशभक्ति के सबसे पसंदीदा गानों में से एक है। बी प्राक की आवाज में गाया गया ये गाना एक जवान के उस जज्बे को दिखाता है, जहां देश उसके लिए हर रिश्ते से ऊपर होता है। गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और फिल्म में परिणीति चोपड़ा भी नजर आई थीं।

देश रंगीला

आमिर खान और काजोल की फिल्म 'फना' का 'देश रंगीला' आज भी देशभक्ति के खास मौकों पर खूब सुनाई देता है। खासकर स्कूल और कॉलेज के इवेंट्स में इस गाने की धुन अक्सर सुनने को मिलती है।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी

शाहरुख खान और जूही चावला की फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' का टाइटल ट्रैक भारत की खूबसूरती और यहां के लोगों की खासियत को अंदाज में दिखाता है। उदित नारायण की आवाज और जावेद अख्तर के बोल इस गाने को एक अलग ही अंदाज देते हैं।

सारा ने फिल्मी थीम पर मनाया 31वां जन्मदिन

मुंबई। सारा अली खान ने 12 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया। वे 31 वर्ष की हो गई हैं। अभिनेत्री ने बड़े ही धूमधाम से जन्मदिन सेलिब्रेट किया, जिसकी थीम एकदम फिल्मी रही। केक से लेकर डेकोरेशन तक, हर चीज में एक्टिंग और फिल्मी दुनिया की झलक दिखी। सारा ने तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। सारा अली खान ने जन्मदिन के दो दिन बाद शुक्रवार को सेलिब्रेशन की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों से पता चल रहा है कि एक्ट्रेस के स्पेशल दिन पर 'सारा कार्निवल' आयोजन किया गया। तस्वीरों में वे अपने भाई इब्राहिम अली खान और मां अमृता सिंह के साथ पोज देती दिख रही हैं। सारा अली खान के बर्थडे सेलिब्रेशन में दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया भी नजर आईं। तस्वीरों में उन्हें भी सारा के साथ पोज देते देखा जा सकता है। सारा अली खान ने अपने बर्थडे पर पैरेट ग्रीन कलर का वन पीस पहना। सारा ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे आस-पास ऐसे लोग हैं, जो मुझे पूरी तरह जानते हैं। मेरे साथ बने रहने के लिए मेरी बराबर कूल हैं। सारा के बर्थडे केक का डिजाइन भी काफी अलग है। इस पर सारा की उम्र के मुताबिक 31 नंबर की मोमबत्ती इस तरह लगी है कि वह 13 नजर आ रहा है। केक में डिटेलिंग भी फिल्मी थीम पर है। इसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान इस्तेमाल होने वाले क्लैपबोर्ड को दिखाया गया है। सारा जिम जाती हैं तो उसकी झलक है।



जैकेट के शेष

नक्सलमुक्ति पर छग को ...

प्रभावित इलाकों में लंबे समय तक चलाए गए ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को इस बार खास तौर पर सम्मानित किया गया है। वीरता पदक पाने वाले प्रमुख अधिकारियों में आईजी पी. सुंदरराज, आईजी इंदिरा कल्याण एलेसेला, एएसपी संदीप पटेल और एएसपी रॉबिन्सन गुड़िया के नाम शामिल हैं। आईजी पी. सुंदरराज को नक्सल विरोधी अभियानों का बेहतर तरीके से नेतृत्व करने और माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने के लिए किए गए काम के लिए वीरता पदक दिया गया है। सम्मान पाने वाले अफसर, पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों को पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने शुभकामनाएं दी हैं।

इनको मिला सम्मान...

आरक्षक 494 श्री टंकेश पोर्ते, नारायणपुर। आरक्षक 512 धर्मेन्द्र ध्रुव, नारायणपुर। आरक्षक 745 रामधर कुमेटी, नारायणपुरन बस्तर फाईटर आरक्षक 1161 जितेन्द्र कुमार समरथ, नारायणपुर। बस्तर फाईटर आरक्षक 1086 राजेश कोर्राम, नारायणपुर। आरक्षक 239 अमर पोटाई, नारायणपुर। बस्तर फाईटर आरक्षक 1231 कु0 ललिता कर्मा, नारायणपुर। बस्तर फाईटर आरक्षक 1106 सुखदेव वड़दा, नारायणपुर। आरक्षक 361 श्री जयसिंह सलाम, नारायणपुर। आरक्षक 668 कोसा राम मरकाम, एसटीएफ ।स्मृतिक राजनाला, अति.पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा हाल डीसीपी क्राइम रायपुर। कंपनी कमांडर यादराम बघेल एसटीएफ। - विनय कुमार उप पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर, हाल एसडीओपी बेरला जिला बेमेतरा। - प्रशांत देवांगन, उप पुलिस अधीक्षक नारायणपुर। राहुल कुमार उईके, उप पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा। लक्ष्मण सिंह पोटाई, उप पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, एसडीओपी केसलूर जिला बस्तर। एएसआई नेहरूराम भगत, दंतेवाड़ा। डीएसएफ आरक्षक 1497 पिंकी कावडे, नारायणपुर। आरक्षक 126 मनीष सलाम, नारायणपुर। आरक्षक 1040 जगबंधु जैन, कांकेर। डीएसएफ आरक्षक 1395 तीरथ नाग, नारायणपुर। ब.फा. आरक्षक 1085 कुमार कोवाची नारायणपुर। ब.फा. आरक्षक 1096 लालसू राम उसेंडी। आरक्षक 817 अमलूराम मरकाम, नारायणपुर। आरक्षक 718 हीरासिंह धनेलिया, नारायणपुर। स्व. आरक्षक 876 नितेश एक्का एसटीएफ। सउनि सम्पत टांडिया, कांकेर। ब.फा.स्व.आरक्षक 2295 रमेश कुमार कोरेटी, कांकेर। प्रधान आरक्षक 973 सोड़ी रामा, सुकमा। प्रधान आरक्षक 419 सोड़ी अजय, , सुकमा। आरक्षक 2311 बोड्डू लक्ष्मैया, सुकमा। आरक्षक 2264 कट्टम मुत्ता, सुकमा। आरक्षक 2321 सेमल रमेश, सुकमा। आरक्षक 2159 कुहराम रामबाबु, सुकमा। आरक्षक 2353 माड़वी कोसा, सुकमा। आरक्षक 1515 पण्डा रोहित , सुकमा। आरक्षक 1656 वेट्टी छोटेलाल , सुकमा। आरक्षक 1617 सोयम जोगा, सुकमा। आरक्षक 1454 करतम लिंगा, सुकमा। आरक्षक 1277 जयसिंह नाग, सुकमा। आरक्षक 204 राजेन्द्र नाग, सुकमा। आरक्षक 456 रामधर कश्यप, सुकमा। आरक्षक 478 माड़वी गंगा, सुकमा। आरक्षक 1088 नुरूम दुल्ला, सुकमा। आरक्षक 251 कड़ती रामा, सुकमा। आरक्षक 1121 मौसम चंद्रा, सुकमा। नव आरक्षक 399 मड़कम गंगा, सुकमा । आरक्षक 1677 सोड़ी नरेश, सुकमा। नव आरक्षक 493 मुचाकी देवा, सुकमा। आरक्षक 397 माड़वी मुकेश, सुकमा। आरक्षक 759 मड़कम भीमा, सुकमा। आरक्षक 993 कुंजाम पोदिया, सुकमा। आरक्षक 240 वेट्टी देवा, सुकमा। आरक्षक 1506 सोयम राजू, सुकमा। डीएसएफ आरक्षक 2166 सोयम राजू, सुकमा। डीएसएफ आरक्षक 2116 माड़वी रमेश, सुकमा । नव आरक्षक 341 सोयम रमेश, सुकमा। आरक्षक 1576 माड़वी कन्ना, सुकमा । सुन्दरराज पट्टीलिंगम, भा.पु.से. पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर हाल एनआईए नई दिल्ली। इन्दिरा कल्याण एलिसेला, भापुसे. उप पुलिस महानिरीक्षक, छसबल सरगुजा रेंज। संदीप पटेल, भा.पु.से. अति. पुलिस अधीक्षक, हाल पुलिस अधीक्षक नारायणपुर। डॉ. प्रशांत शुक्ला, अति. पुलिस अधीक्षक, कांकेर हाल अति.पु.अ. ग्रामीण रायपुर। रवि कुमार कुजूर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पखांजूर, कांकेर । एएसआई रामचन्द्र साहू, कांकेर। एएसआई संतोष मिश्रा, कांकेर। आरक्षक 454 सुर्यकान्त श्रीमाली, कांकेर। आरक्षक 515 श्रीनाथ मतलाम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2068 पवन देव साहू, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2266 सोहित कुमार यादव, कांकेर। आरक्षक डीएसएफ 2362 तिजऊ राम मरकाम, कांकेर। आरक्षक 467 अर्जुन ताती, कांकेर। आरक्षक 510 कमलेश मरकाम, कांकेर। आरक्षक 1270 दिनेष कांगे, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2004 गिरधर शोरी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2008 विवेकानंद नेताम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2010 ओमेष मंडावी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2243 रविन्द्र कुमार साहू, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2013 तरुण कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2001 नन्द कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2239 निरंजन मरकाम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2181 प्रवीण कोरेटी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2088 प्रमोद कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2133 चैनुराम भास्कर, कांकेर। आरक्षक 933 आत्माराम ध्रुव, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2252 महेन्द्र कुमार भुआर्य, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2206 नवल राम मंडावी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2242 कामेश्वर कावडे, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2079 गुलशन कोर्राम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2007 विकास कुमार नेताम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2011 पुनम चंद्र, कांकेर। आर.डीएसएफ 2305 प्यारे लाल तारम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2207 विनय कुमार दुग्गा, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2244 निखलेष कुमार टांडिया, कांकेर। आरक्षक 1161 कृष्णा नेताम, कांकेर। आरक्षक 167 वेदांत कष्यप, कांकेर। आरक्षक 1001 युगल किषोर, कांकेर। आरक्षक 1005 देउ राम, कांकेर। आरक्षक 935 तुलसी राम, कांकेर। आरक्षक 1396 कुमेश कुमार, कांकेर। आरक्षक 1301 नोमेष कुमार नायक, कांकेर। आरक्षक 466 फगनू राम कावड़े, कांकेर। आरक्षक 1365 शोभीराम दुग्गा, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2226 विश्वनाथ सिन्हा, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2235 धीरज बंजारे, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2251 अमरेश पाल, कांकेर। आरक्षक डीएसएफ 2329 अर्जुन दर्रो, कांकेर। आरक्षक डीएसएफ 2360 लक्ष्मण नेताम, कांकेर ।। आरक्षक डीएसएफ 2347 भुनेष्वर मरकाम, कांकेर ।। आरक्षक डीएसएफ 2392 मैनुराम कोमरे, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2012 मंजित जुर्री, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2085 सुमन कवलिया, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2148 संजय नेताम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2188 भरत कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2216 प्रमोद कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2039 अमन मंडावी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2023 अमीर कुमार मरकाम, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2115 अजय कुमार, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2138 राहुल कुमार सलाम, कांकेर । आरक्षक ब.फा. 2163 राकेश रावटे, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2106 विश्वनाथ मंडावी, कांकेर। आरक्षक ब.फा. 2275 सतीश कुमार यादव, कांकेर। आरक्षक 471 उमेश बेड़दा कांकेर। विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक । मोती लाल कोटवानी, पुलिस उप महानिरीक्षक(विशेष शाखा), पुलिस मुख्यालय, रायपुर। **सराहनीय सेवाओं के लिए पदकः**- ओम प्रकाश शर्मा, पुलिस अधीक्षक, माननीय मुख्यमंत्री सुरक्षा, रायपुर। गायत्री सिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक(एएनटीएफ), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर। डॉ. अर्चना झा, पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल, कमिश्नरेट, रायपुर। दीपमाला कश्यप, पुलिस उपायुक्त, जोन उत्तर, कमिश्नरेट, रायपुर। रमा पटेल, उप सेनानी, 4थीं वाहिनी छसबल, माना-रायपुर। ब्रजेश कुमार तिवारी, सहायक सेनानी, 6वीं वाहिनी छसबल, रायगढ़। सविता सिंह परिहार, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, भिलाई। पिनाकी भट्टाचार्जी, निरीक्षक(अ) प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई। राकेश कुमार सिंह, कंपनी कमाण्डर, एसटीएफ बघेरा, दुर्ग। नेहरू लाल, प्लाटून कमाण्डर, एसटीएफ बघेरा, दुर्ग।

बिल पास कराने रेलवे अफसर ने मांगी ...

पहुंची। रेलवे सूत्रों के मुताबिक रेलवे ठेकेदार से रिश्वत मांगने की शिकायत के बाद सीबीआई की टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की।

केमिकल लगे नोटों से ट्रैप...

परस्थित पीपी यार्ड में भिलाई स्टील प्लांट के लिए आयरन ओर और कोक लेकर आने वाली मालगाड़ियों के रेक की अनलोडिंग के बाद वैगन की जांच की जाती है। एएसपीसीएल के लिए कोक लेकर आने वाली मालगाड़ियों के वैगन भी यहां जांचे जाते हैं। वैगन में टूट-फूट या तकनीकी खराबी मिलने पर उसकी मरम्मत की जाती है। बताया जाता है कि यार्ड में होने वाला यह काम अलग-अलग ठेकों के जरिए कराया जाता है। इसी ठेका प्रक्रिया और पुराने बिलों के भुगतान को लेकर ठेकेदार की ओर से रिश्वत मांगने की शिकायत किए जाने की बात सामने आई है।

पेज एक के शेष

जो कुछ भी है, ईश्वर की ...

देखने को भी वह विवश रहे। पूर्व जन्म के सत्कर्म के चलते किशोरावस्था में ही ईश्वर की कृपा ने उन्हें वह शक्तियां प्रदान की,ऐसी ऊंचाई दी कि आज हजारों-लाखों लोग उसके माध्यम से भगवान तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। अपने दुख- दर्द के निवारण ओर उम्मीद-आकांक्षा की पूर्ति के लिए उन्हें ही माध्यम माने हुए हैं। यह पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का प्रभाव है।

उनके प्रति लोगों की आस्था और श्रद्धा को देखकर कई बार यह महसूस होता है कि लोग उनमें ही ईश्वर की छवि तलाशने लगते हैं। कोई उनके चरणों की धूल अपने शीश पर लगाकर स्वयं को धन्य मानता है, तो कोई केवल एक बार उनका सानिध्य तो छोड़िए दर्शन मात्र से अपने आपको सौभाग्यशाली समझता है। ऐसे में व्यक्ति से स्वयं को ईश्वर मान लेने की भूल सहज ही हो जाती है,लेकिन धीरेंद्र शास्त्री जी अपने आपको इस भ्रम से अभी तक बचाए हुए हैं। वह अच्छा मनुष्य होने की प्रक्रिया में ही है। अपने शुरुआती जीवन की की कठिनाई और विपदाओं को वह भूले नहीं हैं। पांच सितारा सुविधाएं लंबी- लंबी गाड़ियों के काफिले, चार्टर विमान की कतारें, शिखर राजनेताओं और सफल उद्योगपतियों की उनके समक्ष निरंतर दंडवत उपस्थिति के बीच वह समाज के वंचित-दमित जन जीवन को भूलते नहीं है। आज भी हर रोज अठारह घंटे के श्रम और पांच से हजार नये लोगों के साथ मुलाकात को वह अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए हुए हैं।

इस पूरे आभामंडल के बीच जो दो बात सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है—उनकी जीवन को लेकर विद्वता और आचरण में सहजता। सहज बने रहना कोशिश के तहत नहीं, स्वाभाविक है। विद्वता का बोध तो उनके मुख से निकले बोलों से सहज ही हो जाता है। गत दिवस उनका लगभग डेढ़ घंटे का सानिध्य मिला। इस दौरान कहीं भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ कि सामने बैठा व्यक्ति अपनी प्रसिद्धि, उपलब्धियों या प्रभाव का बोध करा रहा हो। न अहंकार का प्रदर्शन, न उपलब्धियों का श्रेय स्वयं को देने की कोशिश।बार-बार एक ही भाव सामने आया—जो कुछ है, बालाजी की कृपा से है। और समाज से जो मिला है, उसे समाज को और बेहतर तरीके से लौटाना है। शायद यही भाव उनके काम की दिशा भी तय करता है।

जो लोग अपनी परेशानियां, अपने दुख और अपनी उम्मीदें लेकर उनके पास आते हैं, उनके लिए कुछ करने की कोशिश लगातार दिखाई देती है। आदिवासी बहुल और बुनियादी सहूलियत से भी वंचित इलाके में उनके द्वारा कैंसर अस्पताल जैसे बड़े प्रकल्प की स्थापना का प्रयास इसी सोच का विस्तार हैं। शिक्षा और भारतीय संस्कृति की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए गुरुकुल की स्थापना भी इसी कोशिश का हिस्सा है। भारतीय परंपरा में गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और वैदिक चेतना का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भाव से यहां गौशाला का संचालन भी जारी है। जहां पुंगनूर जैसी दुर्लभ प्रजाति की गायें भी मौजूद हैं।

इन सबको केवल निर्माण कार्यों की सूची के रूप में देखना शायद उचित नहीं होगा। इनके पीछे एक ऐसी सोच दिखाई देती है, जिसमें अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और समाज के प्रति दायित्व को निभाने की कोशिश है।यह सब उस व्यक्ति के द्वारा है जिसने अभी जीवन के तीन दशक भी पूरे नहीं किए हैं। दुनिया को चमत्कृत कर देने वाला प्रभाव पैदा कर दिया है। इस चमत्कार और हजारों लोगों की भीड़ के बीच उनसे एकांत में इत्मीनान से मुलाकात में करिश्माई आध्यात्मिक व्यक्तित्व से मिलने के साथ ही एक अल्हड़ युवा से मिलने जैसा अनुभव भी था।

बिंदास हंसी-बेफिक्र अंदाज और ताली बजाकर जोरदार ठहाके। इसके साथ ही चेहरे पर स्थायी रूप से विराजमान मंद-मंद मुस्कान। गंभीर से गंभीर विषय को भी सहजता से कहना, गूढ़ बात को भी मुस्कराते हुए समझा देना और बात-बात में ठहाका लगा देना, यही वह अंदाज है जो धीरेंद्र शास्त्री को सामान्य से अलग करता है। अन्य संतों के चेहरे पर दिखने वाली गंभीरता से बिल्कुल ही उलट उनका यह अंदाज उन्हें और अधिक प्रभावशाली बनाता है। गहरी बात सहजता से कह देने का उनका यह अंदाज अभी भी दिखा जब चर्चा के दौरान किसी प्रसंग पर उन्होंने कहा कि कार्य अच्छा या बुरा से ज्यादातर महत्वपूर्ण है कि वह किस उद्देश्य से किया जा रहा है। यज्ञ तो गुरू विश्वामित्र जी और लंकापति रावण दोनों ने ही किया था। जगत कल्याण की भावना से वशीभूत होकर विश्वामित्र जी जब यज्ञ कर रहे थे तो रामजी धनुष बाण लेकर स्वयं रक्षा के लिए खड़े हो गए, वहीं आनाचार के लिए शक्ति पाने रावण यज्ञ करा था तो रामजी ने उसका विध्वंस करा दिया। इसलिए उद्देश्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

एक तरफ लाखों लोगों की आस्था का केंद्र बना व्यक्तित्व। दूसरी तरफ उसी व्यक्तित्व में दिखाई देती सहजता, मस्ती और अल्हड़पन, इतनी प्रसिद्धि, इतना सम्मान , इतना सामर्थ्य और इतना बड़ा आभामंडल मिलने के बाद भी यदि कोई व्यक्ति अपने भीतर यह भाव बचाकर रख सके कि "मैं नहीं, सब कुछ बालाजी और संन्यासी बाबा की कृपा से है", तो यह अपने आप में सराहनीय भी है और वंदनीय भी है।

गढ़ा गांव की यात्रा और पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी कासानिध्य एक बार फिर इस बात को प्रमाणित कर गया कि जीवन में उपलब्धियाँ कितनी बड़ी हैं, इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन उपलब्धियों का श्रेय हम किसे देते हैं और उनसे प्राप्त शक्ति का उपयोग किसके लिए और किस तरह करते हैं।और शायद इसीलिए तीन दिन पहले लिखी वह पंक्ति अपने आपको प्रमाणित करते हुए महसूस हुई कि-"जो कुछ भी है, ईश्वर की कृपा से है।"

भगवान और भक्त बने ...

धीरेंद्र शास्त्री से मिलने की इच्छा लेकर। शायद यही ईश्वर की कृपा का सबसे बड़ा प्रमाण है कि एक संत और पीठाधीश्वर स्वयं उस आस्था के पर्याय बन गए हैं, जिसकी मूल शक्ति उनके आराध्य में है। ईश्वर की कृपा क्या होती है, इसका सबसे सुंदर उदाहरण राम और हनुमान के संबंध में दिखाई देता है। राम की कृपा हुई तो हनुमान केवल सेवक नहीं रहे; वे स्वयं भगवान के स्वरूप में पूजे जाने लगे। यही तो ईश्वर की कृपा है, जब साधक और उसकी साधना स्वयं आस्था का केंद्र बन जाए। कुछ-कुछ ऐसी ही स्थिति आज बागेश्वर धाम में दिखाई देती है।

लेकिन जितनी तेजी से यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, उस अनुपात में व्यवस्थाएं अभी दिखाई नहीं देतीं। सरकार और प्रशासन के स्तर पर यहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बेहतर सड़कें, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, ठहरने की सुविधाएं और श्रद्धालुओं के लिए समुचित आधारभूत ढांचा, इन सब पर गंभीरता से काम किया जाना चाहिए। गढ़ा की गलियों और रास्तों से गुजरते हुए कई जगह यह महसूस होता है कि जिस गति से आस्था यहां लोगों को खींच रही है, उस गति से व्यवस्थाएं अभी पीछे हैं। भविष्य में यदि यह स्थान शिरडी या कैंची धाम जैसे बड़े धार्मिक केंद्र का स्वरूप ग्रहण कर ले, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आस्था की शक्ति किसी साधारण से स्थान को असाधारण ऊंचाई तक पहुंचा सकती है। बागेश्वर धाम आज केवल वर्तमान की कहानी नहीं है। यह भविष्य की एक बड़ी संभावना का संकेत भी दे रहा है।इ स संभावना के केंद्र में हैं -बालाजी महाराज, उनकी कृपा, और उस कृपा को जन-जन तक पहुंचाने वाले धीरेंद्र शास्त्री।

सीएम साय बोले- विभाजन की...

दौर की भयावहता देखी, उनमें से अधिकांश आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके परिवारों और आने वाली पीढ़ियों की स्मृतियों में वह पीड़ा आज भी जीवित है। उन्होंने कहा, विभाजन के कारण विस्थापित हुए लोगों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना किया। अपना सब कुछ पीछे छोड़कर उन्होंने नए स्थानों पर लगभग शून्य से जीवन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन की त्रासदी में प्राण गंवाने वाले लोगों के बलिदान और विस्थापन का दंश झेलने वाले परिवारों के संघर्ष को उचित सम्मान देने तथा नई पीढ़ी को इतिहास के इस अध्याय से परिचित कराने के उद्देश्य से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री मौन जुलूस में ...

विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, संत युधिष्ठिर लाल, स्वामी शिवस्वरूपानंद, राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा, यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

संगठित रहेंगे तो राष्ट्र...

भी देश की स्मृतियों में उचित स्थान मिलना चाहिए। डॉ. द्विवेदी ने विभाजन की ऐतिहासिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा निर्धारण का दायित्व सिरिल रेडक्लिफ को सौंपा गया था, जो जुलाई 1947 में भारत आए थे। उन्हें बहुत कम समय में सीमा निर्धारण का अत्यंत जटिल कार्य पूरा करना था, जबकि भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना से उनका परिचय सीमित था। उन्होंने कहा कि विभाजन से उपजी पीड़ा और उसके परिणामों को समझना आज भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि इतिहास से मिली सीख ही भविष्य के लिए हमें सचेत करती है।

छत्तीसगढ़ के दो मजदूर...

कई मजदूर अंदर फंस गए थे। हादसे के समय सुरंग में कुल 22 कर्मचारी मौजूद थे। इसके तुरंत बाद रेस्क्यू टीम के लोगों द्वारा राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए गए पूरी रात चले रेस्क्यू के बाद अब तक 19 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है जबकि छत्तीसगढ़ निवासियों लोकेश्वर एवं भुनेश्वर सहित 7 लोगों की मृत्यु हो गई है।

ये हैं मृतकः राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया, मृतकों की पहचान टिहरी गढ़वाल निवासी प्रदीप पंवार (31), चमोली निवासी मुकेश सिंह, उत्तर प्रदेश निवासियों दुर्गा शर्मा, विजय हंसदा और जितेंद्र कुमार तथा छत्तीसगढ़ निवासियों लोकेश्वर एवं भुनेश्वर के रूप में हुई है।

छग भू-संपदा अपीलीय...

एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 46 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए करते हुए नियुक्ति की गई है। अध्यक्ष का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम 05 वर्ष अथवा 67 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, रहेगा। अध्यक्ष के पद से संबंधित अन्य सेवा शर्तें पृथक रूप से निर्धारित की जाएंगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जामताड़ा

ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

ई0–पुर्ननिविदा संख्या :– 06/RII/2026-27/RWD/JAMTARA दिनांक–13.08.2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखंड का नाम		कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि अंक में (लाख में)	प्राक्कलित राशि अक्षर में (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	RWD /JAMTARA/ STPKG-07/RII/2024-25	नाला	1	मधसा से बान्दो तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (1.313 कि.मी.)	1146.7762	ग्यारह करोड़ छियालीस लाख सतहत्तर हजार छः सौ बीस मात्र	15 महीना
		नाला	2	बादलपुर से कालीपाथर तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (1.843 कि.मी.)			
		नाला	3	कुरालजोरिया से केन्दुआ तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (2.001 कि.मी.)			
		नाला	4	देवजोड़ से कपासडंगाल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (2.346 कि.मी.)			
		नाला	5	जगरनाथपुर से वृन्दाबनी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (2.203 कि.मी.)			
		नाला	6	अफजलपुर से सरषेदिया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (8.815 कि.मी.)			
		फतेहपुर	7	बन्दरडीहा से जामदेही तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (7.635 कि.मी.)			
		नाला	8	सागजोरिया से मंझलाडीह–2 तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (2.670 कि.मी.)			
		नाला	9	खुरियम से उदलजोरी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (2.210 कि.मी.)			
		नाला	10	उदलजोरी से सालदेही तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (1.910 कि.मी.)			

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 24.08.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 15.09.2026 अपराहन् 5:00 बजे।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 18.09.2026 अपराहन् 3:30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा, ब्लॉक–सी, प्रथम तल्ला, कम्बाईड बिलडिंग, जामताड़ा, पिन–815351

विस्तृत जानकारी के लिये बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0का0वि0, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा

PR.NO.387509 District(26-27):D

---

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 -20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016.(आरे-815)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 7223821623, 7440981254.(आरे-41602)

केयर टेकर

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800.(आरे-003)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35) की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681.(आरे-209)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- फटाका दुकान में काम करने हेतु 12वी पास (कार्मस) लड़कों की आवश्यकता । सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमीं चंद गली, तेलघानी नाका चौक, रायपुर (आरे-234)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, पताः- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576.(आरे-822)

ड्रायवर

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। पता- आर.बी.पाटीदार एंड कंपनी नर्सिंग मील कम्पाऊन्ड प्लेट फार्म नंबर- 7 के पास गुढ़ियारी रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर- 8435904413.(आरे-819)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु रायपुरा चौक, कुशालपुर, पचपेड़ी नाका, भाठागांव, टाटीबंध से ड्राइवरों की आवश्यकता हैं वेतन योग्यतानुसार लायसेंस हवी बैच अनुभवी को प्राथमिकता जय महामाया ट्रेवल्स ऊपरवारा नया रायपुर मो. 9993944771, 9630060838.(आरे-823)

कुक

आवश्यकता है- रायपुर चन्दखुरी पशु अस्पताल में 15-20 कर्मचारीयों के लिए नाश्ता और दो टाईम खाना बनाना हेतु पुरुष कुक की आवश्यकता हैं। अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा हैं। संपर्क- 72258-88800.(आरे-004)

ठेकेदार

आवश्यकता है- रायपुर में मल्टीस्टोरी फ्लैट बिल्डिंग में टाइल्स कार्य हेतु ठेकेदार की आवश्यकता संपर्क- राकेश -9329116108.(आरे-821)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- एक सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है वेतन 10000 से स्टार्ट ओम ज्वैलर्स शॉप नंबर 64 बी प्रिया सिंगार सदन के सामने इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरे-)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसर कॉल / मेसेज 7999847673 समय 12 से 5 तक (आरे-326)

ऑपरेटर/ड्रायवर

आवश्यकता है- पी वी सी पाईप मशीन चलाने हेतु आपरेटर चाहिए अशोक लेलैंड एल एस गाड़ी के लिए ड्राईवर की आवश्कता है रहने के लिए रुम सुविधा उपलब्ध है सम्पर्क बंजारी पाईप रावाभाठा रायपुर 9300374656.(आरे-0159)

प्लाट

आवश्यकता है- टाटा ऐस एवं महिंद्रा बोलोरो चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है । कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी,रायपुर मो नं. 7024441744.(आरे-0161)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का रुपया पैसा भेजने, कोई भी शुल्क जमा करने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित या किसी भी ऑफर-ऐजेंसी का आवेदन करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रिंट प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के लिए और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया

Warehouse for Lease — Limited Availability! Upgrade your business with a modern, high-specification warehouse.
1.) 9300 Sq. Ft. Ready-to-Move
2.) Fire NOC Approved
3.) FM2 Heavy-Duty Flooring
4.) 30 Ft Clear Clear Height
5.) 70 Ft Wide Internal Road
6.) Fire Sprinkler's & Hydrant system installed Ideal for 3PL, Logistics, E

78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी 13 को मरणोपरांत कीर्ति चक्र



स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें 13 मरणोपरांत दिए जाएंगे।

इन पुरस्कारों में नौ कीर्ति चक्र, 19 शौर्य चक्र, पांच 'बार टू सेना मेडल' (वीरता) और 36 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र, अशोक चक्र के बाद भारत का शांति के समय दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। शौर्य चक्र शांति के समय दिया जाने वाला तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। कीर्ति चक्र पाने वालों में 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज फ्रांसिस और 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के मेजर जितेंद्र राठी शामिल हैं।

इन वीरों को मरणोपरांत मिले कीर्ति चक्र

सात अन्य कीर्ति चक्र मरणोपरांत दिए जाएंगे। सशस्त्र बलों के जिन कर्मियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार मरणोपरांत दिए जाएंगे, उनमें 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) के हवलदार गजेंद्र सिंह; हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह और बशीर अहमद; कांस्टेबल जसवंत सिंह, बलविंदर सिंह और तारिक हुसैन; तथा इंस्पेक्टर सुनील कुमार सहित अन्य फोर्सेज के वीर जवान शामिल हैं।

शौर्य चक्र पुरस्कार विजेता : शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में 36 राष्ट्रीय राइफल्स से मेजर परमवीर, 57 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तरुण वासुदेवन, 12 डोगरा रेजिमेंट से मेजर केशव कुमार, 21 ग्रेनेडियर्स के मेजर गौरव सिंह बृजवाल, 11 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विपीन कुमार, 3 असम राइफल्स से नायब सूबेदार शंकर राम और 21 पैरा (विशेष बल) के नायब सूबेदार डब्बल सिंह बिष्ट शामिल हैं।

इन जवानों को भी मिला शौर्य चक्र

शेष शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच, निरीक्षक अजय सिंह चिब, उपाधीक्षक सुखवीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नियाज अहमद, उप कमांडेंट अंजनी कुमार और कांस्टेबल दीपक साह के नाम हैं।

Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution Government of India
Bureau of Indian Standards National Standards Body of India

80th Independence Day

Bureau of Indian Standards
Committed to Quality Since 1947

Since the birth of Independent India, standards have quietly built the nation

From green energy to digital technology, from smart manufacturing to everyday safety, BIS standards are the backbone of a stronger, self-reliant and Viksit Bharat

BIS: Raising Standards since 1947

GET IT ON Google Play | GET IT ON App Store

Follow us @indianstandards

Bureau of Indian Standards National Standards Body of India

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सभी देशवासियों को
80वें
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सबको आजादी के इस महान पर्व की अनेक-अनेक शुभकामनाएं। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही मंत्र है- विकसित भारत। विकसित भारत बनाने के लिए ना हम रुकेंगे, ना हम झुकेंगे, और 2047 में विकसित भारत बना कर रहेंगे।

- नरेन्द्र मोदी

CBC 22201/13/0019/2627

लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण सुबह 6:30 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर।

INVITING REQUEST FOR PROPOSAL(R.F.P.)
WATER RESOURCES DEPARTMENT
GOVERNMENT OF JHARKHAND

NIT NO. : WRD/JH/CE/DMPH/RFP/04/2026
National Competitive Bidding

1.	Name of the Work	Request for Proposal for Conducting Studies and Preparation of Detailed Investigation Reports on Comprehensive Dam Safety Evaluation/ Structural Health Assessment for Dam Rehabilitation/ Preparation of Emergency Action Plan, Operation and Maintenance Manual etc. of Ramrekha Dam under Chief Engineer, WRD, Ranchi, Water Resources Department, Govt. of Jharkhand
2.	Mode of Submission of Bids	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
3.	Tender fee (In INR)	Rs.10,000.00 (Ten thousand only)----(Non-refundable)
4.	Bid Security (In INR)	Rs.1,00,000/- (One Lakh only)
5.	Time of completion	150 days from the date of LOA
6.	Date of availability of Bidding Document on Website	17/08/2026;16:00 HRS
7.	Last Date and time of submission of pre-bid queries	24/08/2026;11:00 HRS
8.	Date of Pre Bid Meeting	25/08/2026; 11:30HRS Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002
9.	Last Date of Submission of online Bids	07/09/2026;15:30HRS
10.	Date & time of opening of Technical Bid	08/09/2026;16:30HRS Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002
11.	Name of address of E-procurement officer	Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002 *Email:cedesign-wrd-jhr@nic.in*
12.	Helpline no.	9162471847, 09787107524, 09599321224, 09304037930, 09110975717

Note:-Please see details on www.jharkhandtenders.gov.in

Chief Engineer
Design, Master Planning &Hydrology,
Water Resources Department,
Government of Jharkhand

PR 387574 Water Resource(26-27).D

रायपुर विकास प्राधिकरण
भक्त माता कर्मा व्यावसायिक परिसर, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)-492006
ईमेल : ceordaryp@gmail.com, वेबसाइट : www.rdaraipur.com दूरभाष : (0771) 2536188, 2536788

आम सूचना
रायपुर विकास प्राधिकरण
नगर विकास योजना तैयार करने के आशय की घोषणा हेतु सूचना

छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 50 की उपधारा (2) के अधीन सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता हैं कि रायपुर विकास प्राधिकरण ग्राम-पिरदा एवं तुलसी, तहसील-रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) के अंतर्गत कुल 143.842 हे. भूमि पर नगर विकास योजना तैयार करने का आशय रखता हैं, स्कीम में सम्मिलित की गई भूमि का खसरा विवरण छत्तीसगढ़ राजपत्र में दिनांक 11.08.2026 को प्रकाशित किया गया हैं जिसकी प्रति कार्यालय रायपुर विकास प्राधिकरण, रायपुर, कार्यालय कलेक्टर, रायपुर, कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, रायपुर के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु उपलब्ध हैं।

प्रारूप नगर विकास योजना में अंतिम भूखण्ड का आबंटन पटल पर दर्शाये गये भू-स्वामित्व के आधार पर किया जायेगा, तालिका में दर्शाये गये विवरण में किसी प्रकार की विसंगति अथवा इस सूचना का राजपत्र में प्रकाशन से पूर्व हुए किसी उपविभाजित/बटांकन को सुसंगत प्रलेखों के साथ राजपत्र में सूचना जारी होने की तिथि से पंद्रह दिवस के भीतर प्राधिकरण की जानकारी में लाया जाना होगा।

यह भी सूचित किया जाता हैं कि इस सूचना का राजपत्र में प्रकाशन के पश्चात् अंतिम भूखण्ड के आबंटन के प्रयोजन हेतु मूल भूखण्ड में किये गये किसी भी उपविभाजन/बटांकन पर विचार नहीं किया जावेगा।

अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी

NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING
NIOS
THE LARGEST OPEN SCHOOLING SYSTEM IN THE WORLD

GREAT NEWS!

OPENING OF PORTAL FOR
SCHOOLS / INSTITUTES / NGOS / COLLEGES
TO APPLY FOR
ACCREDITATION OF NIOS STUDY CENTRES (AI / AA AVI)
WINDOW 4.0



The portal (https://eaccr.nios.ac.in) is now open for Schools / Institutes / NGOs / Colleges to apply for Accreditation of NIOS Study Centres (AI / AA AVI).

To view the Fee details, supporting documents required and other related details, kindly go through:
ACCREDITATION BYE-LAWS (https://eaccr.nios.ac.in/home/accreditation-rye-laws)
NORMS, TOOLS AND EQUIPMENT REQUIRED FOR ACCREDITATION OF VOCATIONAL EDUCATION COURSES (https://eaccr.nios.ac.in/home/trade-course-wise-norms)

IMPORTANT DATES
REGISTRATION START DATE: 03RD JULY 2026
REGISTRATION END DATE: 31ST AUGUST 2026

Kindly share this with all concerned for wider publicity.
For more details, kindly send email to accr@nios.ac.in

FOLLOW US ON: www.nios.ac.in
Education for All

बिजनेस साइट

रक्षाबंधन के लिए चांदी भंडार में खास सिल्वर कलेक्शन मेकिंग चार्ज पर 20% छूट





रायपुर। रक्षाबंधन के मौके पर भाई-बहन के रिश्ते को खास बनाने के लिए चांदी भंडार ने 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर से तैयार राखियों और ब्रेसलेट का विशेष कलेक्शन पेश किया है। कंपनी के इस फेस्टिव कलेक्शन में पारंपरिक से लेकर मॉडर्न डिजाइन तक की राखियां शामिल हैं। भगवान जगन्नाथ से प्रेरित राखियां और बच्चों के लिए तैयार किए गए खास डिजाइन कलेक्शन के प्रमुख आकर्षण हैं।

राखियों के अलावा भाइयों के लिए 'अमोघ' कलेक्शन भी पेश किया गया है। इसमें सिल्वर चेन, पेंडेंट, अंगूठियां और ब्रेसलेट जैसे विकल्प उपलब्ध हैं। वहीं, 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी रेंज में इयररिंग्स, चूड़ियां, अंगूठियां, ब्रेसलेट और पायल शामिल हैं। बच्चों के लिए 'ट्रेजर्स' कलेक्शन में चांदी के आकर्षक आभूषण रखे गए हैं।कंपनी ने गिफ्टिंग को ध्यान में रखते हुए सिल्वर-एक्सेंट वाले वाइन ग्लास, बोतल, टी-सेट, नक्काशीदार लकड़ी की ट्रे और अन्य लाइफस्टाइल प्रोडक्ट भी पेश किए हैं। कंपनी के अनुसार, इन उत्पादों को रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ गिफ्टिंग के लिए भी तैयार किया गया है। चांदी भंडार की फाउंडर लिप्सा हंस ने कहा कि रक्षाबंधन रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है और इस कलेक्शन के जरिए इस जश्न को खास बनाने की कोशिश की गई है। 14 से 30 अगस्त तक मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20% की छूट दी जा रही है। कंपनी के रायपुर में वीआईपी रोड और पंडरी में स्टोर हैं।

सीआईआई ग्रीन स्टील एंड माइनिंग समिट 2026 का समापन



रायपुर। छत्तीसगढ़ ने ग्रीन औद्योगिक विकास और सतत निवेश के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता मजबूत करते हुए देश का अग्रणी ग्रीन स्टील हब बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नवा रायपुर में आयोजित दो दिवसीय सीआईआई ग्रीन स्टील एंड माइनिंग समिट-2026 के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्टील और खनन क्षेत्र में स्वच्छ तकनीक अपनाने तथा सतत औद्योगिकीकरण को गति देने का आह्वान किया।

समिट के दौरान विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं के लिए निवेश के आशय पत्रों का आदान-प्रदान हुआ। इसे राज्य में नए निवेश और औद्योगिक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। सीआईआई के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास प्राथमिक स्टील उत्पादन से आगे बढ़कर उच्च मूल्यवर्धित, प्रतिस्पर्धी और स्वच्छ विनिर्माण का केंद्र बनने की क्षमता है। उन्होंने विकास के साथ मजबूत सप्लाई चेन और रोजगार सृजन पर भी जोर दिया।

भारत का निर्यात 13.31% बढ़कर 80.14 अरब डॉलर हुआ, आयात में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में भारत का कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात 13.31 प्रतिशत बढ़कर 80.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले वर्ष जुलाई में यह आंकड़ा इससे काफी कम था, जिससे स्पष्ट है कि भारतीय निर्यात को वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है।

इसी दौरान भारत का कुल आयात 15.83 प्रतिशत बढ़कर 95.16 अरब डॉलर रहा। हालांकि आयात में वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन निर्यात क्षेत्र का लगातार मजबूत प्रदर्शन देश के बाह्य व्यापार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

जुलाई 2026 में वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) बढ़कर 44.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि जुलाई 2025 में यह 36.98 अरब डॉलर था।

चौथे दिन बाजार में सुस्ती, सेंसेक्स 71 अंक और निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ऊंची तेल कीमतों और अमेरिका-ईरान गतिरोध के लंबे समय तक बने रहने के बीच निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को कमजोरी के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 71 अंक और निफ्टी में 30 अंक की गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 70.71 अंक यानी 0.09 प्रतिशत गिरकर 78,009.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 395.59 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 77,684.37 अंक तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 29.85 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 24,366 अंक पर बंद हुआ। यह निफ्टी में गिरावट का लगातार चौथा सत्र रहा। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एशियन पेंट्स, इंडिगो, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और एचसीएल टेक के शेयर गिरावट में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

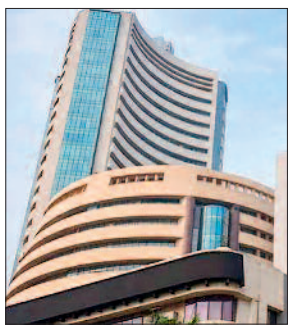

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत बढ़कर 87.15 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस का लाभ दोगुना

नई दिल्ली। कार्यस्थल प्रदाता ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 23.93 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का शुद्ध लाभ 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 10.03 करोड़ रुपए रहा था।

Action for Food Production

Tendor Notice for Solar Drinking Water and Lift Irrigation

Date : 12.08.2026

Tenders are invited from experienced and reputed contractors for the following works in Mainpur Block in Gariyaband District.
1. Installation of Solar-Based Safe Drinking Water Systems.
2. Installation of community-based Solar Lift Irrigation Systems

Interested contractors should submit their tender documents by **18.08.2026 before 5.00 pm** via email at procurement@afpro.org

Tendor documents are available separately and can also be downloaded from the website www.afpro.org

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति

सं.- 2026/सी./को./एटीवीएम (II)/आर.
दिनांकः 10.07.2026

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक) एस. ई.सी. रेलवे, रायपुर मंडल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, स्मार्ट कार्ड के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए सुविधाकर्ता के रूप में नियुक्ति के लिए इच्छुक सेवानिवृत्त समूह सी और डी रेलवे कर्मचारियों और आम जनता से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित करता है।

1. कार्य का नामः- स्मार्ट कार्ड आधारित अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, भाटापारा, तिल्दा - नेवरा, हथबंद, उरकुरा, भिलाई नगर, भानूप्रतापपुर, मरौदा, बालोद, सरोना तथा मंदिर हसौद स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति।

2. आवेदन जमा करने की तिथि और समयः- 15.00 बजे तक दिनांक 18/09/2026 को।

3. आवेदन बॉक्स खोलनाः- 15.30 बजे दिनांक 18/09/2026 को।

4. मुहरबंद आवेदन जमा करनाः- इस प्रयोजन के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम के कार्यालय में रखे गए बॉक्स में रखे गए आवेदन बॉक्स में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एस.ई. सी. रेलवे, रायपुर को संबोधित अपने आवेदन पत्र को सीलबंद लिफाफे में आवेदन बॉक्स छोड़ दें। कार्यालय परिसर, दक्षिण रेलवे, वेल्टेयर लेवल क्रॉसिंग गेट के पास, आर.वी.एच. कालोनी, रायपुर (छ.ग.) समय 15.00 बजे दिनांक 18/09/2026 तक।

अधिक विवरण, पात्रता मानदंड, स्टेशनों और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण के लिए कृपया सीनियर डीसीएम/एसईसीआर/ रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या आवेदन दस्तावेज और अन्य विवरण देखें/ डाउनलोड करें जो हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/171 द.पू.म.रे./रायपुर

South East Central Railway @secrail

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार उत्कर्ष गुप्ता पिता-राजीव गुप्ता निवासी-राजातालाब नूरानी चौक रायपुर छ.ग. ने विक्रेता सुरेन्द्र कुमार दुबे, उम्र- 70 वर्ष, पिता-स्व.भगवती प्रसाद दुबे, निवासी-शहनाई गार्डन के पीछे, दुग्ध डेयरी के सामने, रोहणीपूरम, रायपुर, तह व जिला रायपुर छ.ग. के नाम स्वामित्व एवं आधिपत्य मौजा-ब्राम्हण पारा , बाल समाज लायब्रेरी के पास, वार्ड क्रमांक 44 ब्राम्हण पारा रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित मकान नं 44/28 रकबा 16x42=672 वर्गफुट भूमि जिस पर पांच मंजिला पक्का मकान निर्मित है जिसका प्रापर्टी यूआईडी नं. RPR758C00126 है को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है तथा बयाना राशि भी प्रदान कर दिया है अब उक्त भूमि की मात्र रजिस्ट्री की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, साहूकार, शासकीय अर्धशासकीय विभाग ,वित्तीय निकाय, आम जनता इत्यादि को उक्त संव्यवहार के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो तो मेरी इस सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के मेरे समक्ष नीचे लिखे पते पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें अन्यथा समय अवसान पश्चात की गई आपत्ति शून्य व औचित्यहीन होगी, तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग. दिनांक 14-8-2026

(ए.के. सेन) अधिवक्ता,
शाप नं.-9, प्रथम तल, कंकाली हास्पिटल काम्प्लेक्स ब्राम्हण पारा, आजाद चौक,रायपुर,
मोबा. 9826153106

CAVEATE NOTICE

Public Notice to General Public of Caveat to be lodged in the High Court of Chhattisgarh Under Rule 145 of High Court of Chhattisgarh Rules, 2007

Whereas the State of Chhattisgarh has conferred upon CG State Power Transmission Co. Ltd. the powers of a telegraph authority under the Indian Telegraph Act, 1885 for placing of electric lines invoking which, under permission from Energy Department of the State of Chhattisgarh, CG State Power Transmission Co. Ltd. has undertaken construction of 26.368 KMs long DCDS Ati Uchcha Daab Transmission line connecting existing 400 / 220 KV Sub Station Raipur (Village Raita) to under construction 220 / 132 / 33 KV Sub Station Daldal Seoni (Raipur).

Said line is proposed to pass through Villages Daldalseoni, Urkura, Giroud situate in Tehsil and District Raipur, Villages Raita, Kuthrel, Malaud, Kurud, Siliyari, Pauni, Taresar, Pathari, Godhi, Mohandi, Nagargaon, Korba, Gudhipara, Tor, Barbanda, Neurdih, Tarra, Matia, Dondekhurd, Dondekala, Lalpur, Chhapora, Bhurkoni, Mandhar, Barouda, Tekari, Parsulidih situate in Tehsil Dharsiwa District Raipur and Village Semariya situate in Tehsil Mandirhasaud District Raipur.

Whereas the CG State Power Transmission Co. Ltd. apprehends petition / litigation challenging / affecting construction of said line

Whereas the CG State Power Transmission Co. Ltd. is lodging caveat in the High Court of Chhattisgarh praying for opportunity of being heard in the event Hon'ble High Court pleases to pass any order, interim or final, affecting the construction of said line in a petition either instituted or about to be instituted.

Whereas it is incumbent to issue notice of caveat prior lodging caveat Therefore the instant notice of lodging caveat in the High Court of Chhattisgarh and address for serving advance copy of petition before filing of petition in the matter of construction said line is being issued and served to all concerned and public at large by way of this publication in newspaper.

Address for service of advance copy of petition and notice:
Raja Sharma, Advocate, Indrani, D-14, HIG -2, Abhilasha Parisar, Tifra, Bilaspur - 495 223 Mobile / WhatsApp- 7000654781; email advrajasharma@gmail.com

Bilaspur:
Date: .....

Raja Sharma
Counsel for CSPTCL/Caveator

कार्यालय नगर पंचायत पखांजूर ,जिला उत्तर बस्तर कांकेर, (छ.ग.)
फोन/फैक्स नम्बर – 07844-231036, ईमेल- nppakhanjore@gmail.com

क्रमांक / 843/ मत्स्य/ रा./ न.पं./ 2026-27 पखांजूर, दिनांक 14/08/2026

// ईश्तहार //

एतद द्वारा नगर पंचायत पखांजूर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत के अधीनस्थ निम्नलिखित तालाब / जलाशय को मछली पालन हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर आबंटित किया जाना है, जिनका विवरण इस प्रकार हैः-

क्र.	निकाय का नाम	तालाब का नाम	खसरा न.	रकबा
1	नगर पंचायत पखांजूर	लघु सिंचाई जलाशय-पी.व्ही. 55	1071	रकबा 137.18 हेक्टेयर

अतः इच्छुक पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति एवं मछुआ समूह / स्थानीय महिला स्व सहायता समूह / मछुआ व्यक्ति / मत्स्य कृषक से दिनांक 04.09.2026 सायंः 5:00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जावेंगा।

टीपः- नियम एवं शर्तें कार्यालयीन समय पर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पखांजूर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली
रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006
website:-risali.urbanecg.gov.in

क्र./ लो.क.वि./2026/1099 रिसाली, दिनांक ...14/8/26

// निविदा सूचना //

नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक कर्म विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से भवन एस.ओ.आर. 10.06.2026 एवं रोड एस.ओ.आर 15.06.2026, इलेक्ट्रीकल एस.ओ.आर 10.06.2020 एवं पी.एच.ई एस.ओ.आर 2020 के अनुसार प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा फार्म का शुल्क डी.डी के रूप में आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली के नाम से एवं निविदा फार्म तथा अन्य दस्तावेजन कार्यालय में स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त होने की अंतिम तिथि 07.09.2026 सायं 5.30 बजे तक 2. निविदा प्रपत्र खोले जाने की अंतिम तिथि 09.09.2026 को पूर्वान्ह 12.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	कार्य का नाम	लागत (लाख में) रू.
1.	15वें वित्त आयोग मद नॉन मिलियन प्लस सिटीस अनटाईड ग्राण्ट अंतर्गत वार्ड क्रं. 21 में कव्हर ड्रेन निर्माण एवं रोड चौड़ीकरण कार्य।	9.89
2.	नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रं. 26 अवधपुरी रिसाली सरस्वती कुंज में डस्ट प्रदाय कार्य। (निगम मद)	8.74

नियम एवं शर्तें तथा कार्यों का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली


LOTUS
INDEPENDENCE
DEAL
FESTIVAL
लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ ज़िन्दगी जियो आज़ाद!
UPTO 70% OFF
0% INTEREST ON EMI*
ADDITIONAL CASHBACK UPTO ₹20,000*
BEST DEALS ON BEST BRANDS
Authorized Reseller UPTO 15% Off
ASUS UPTO 60% Off
boAt UPTO 75% Off
BLOWHOT UPTO 60% Off
BAJAJ UPTO 60% Off
BLUE STAR UPTO 35% Off
BOSE UPTO 45% Off
DAIKIN UPTO 30% Off
DELL UPTO 25% Off
dyson UPTO 35% Off
elica UPTO 55% Off
EUREKA FORBES UPTO 45% Off
GLEN UPTO 55% Off
Godrej UPTO 35% Off
Haier UPTO 55% Off
HAVELLS UPTO 55% Off
HITACHI Inspire the Next UPTO 40% Off
hp UPTO 40% Off
IFB UPTO 30% Off
IBL UPTO 45% Off
Lenovo UPTO 60% Off
LG UPTO 50% Off
Lifelong UPTO 70% Off
LLOYD UPTO 50% Off
logitech UPTO 45% Off
Marshall UPTO 35% Off
morphy richards UPTO 55% Off
motorola UPTO 45% Off
NOTHING UPTO 35% Off
NOVA UPTO 65% Off
oppo UPTO 50% Off
orient UPTO 60% Off
Panasonic UPTO 40% Off
PHILIPS UPTO 60% Off
realme UPTO 70% Off
SAMSUNG UPTO 40% Off
SANSUI UPTO 50% Off
SONY UPTO 45% Off
SUJATA UPTO 50% Off
TCL UPTO 50% Off
USHA UPTO 45% Off
VEGA UPTO 25% Off
vivo UPTO 55% Off
VOLTAS UPTO 45% Off
Whirlpool UPTO 35% Off
WONDERCHEF UPTO 70% Off
ZEBRONICS UPTO 40% Off
Credit Card Offers
HDFC BANK
up to ₹15000 instant Discount* with HDFC Bank EASYEMI on Cards
Offer Valid Till 31st Aug 26
Paper Finance Offer
BAJAJ UPTO ₹15000 Instant Cashback On Transaction of ₹ 20000 & Above Paper Finance Offer Valid Till 31st Aug 26
IDFC FIRST Bank GET 15% Cashback UPTO ₹30000* Offer Valid Till 16th Aug 26
EXPRESS DELIVERY | 26 YEARS OF TRUST | SERVICE SUPPORT | FINANCE DEALS | EXTENDED WARRANTY | EXPERT ADVICE | BEST COMPANY DEALS | LATEST PRODUCTS
RAIPUR : NEAR KACHAHARI CHOWK, JAIL ROAD • RAJENDRA NAGAR, PURENA • SHANKAR NAGAR MAIN ROAD.
28 Showrooms | 9 Cities | Shop online at www.lotuselectronics.com or call : 9111-300-400 | Follow us: /lotuselectronics
*Conditions Apply. Images shown above are representative of the actual products. Products are available without offer also. Offers on selected products only. Finance, at the sole discretion of finance company. Offer on select product categories and participating brands only. Products Financed will be as per finance company's norms. Finance offer on select product categories & participating brands only. Exchange offer at the sole discretion of dealer. Old exchange products should be in working condition & with accessories. Extra charges applicable depend on the product without the complete accessories. Lotus reserves the right to withdraw offers without prior notice. Offer valid as per stock. Please visit the showroom for complete details.
T & C APPLY.
LOTUS®
Electronics Supermarket
रिश्ता बेहतर ज़िन्दगी से...
MANGO/ sifoil

भारत को झटका, एशिया कप और एशियाई खेलों से बाहर जेमिमा

नई दिल्ली। भारत की महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण आगामी महिला एशिया कप और एशियाई खेलों से बाहर हो गई हैं।

स्वियातेक ने जीता साल का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब

कैनेडियन ओपन में स्वियातेक ने रायबाकिना को 6-2, 6-3 से हराया

एजेंसी ▶▶| टोरंटो



पौलैंड की इगा स्वियातेक ने कैनेडियन ओपन 2026 महिला एकल का खिताब जीत लिया है। टोरंटो में खेले गए फाइनल मुकाबले में स्वियातेक ने कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को 6-2, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। स्वियातेक का इस सीजन का यह पहला खिताब है।

टूर्नामेंट में जारी अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए पोलैंड की सातवीं सीड खिलाड़ी स्वियातेक ने पहले सेट में ही बढ़त बना ली थी, जबकि दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना ने लगातार दो डबल फॉल्ट पर ब्रेक पॉइंट गंवा दिया। स्वियातेक के पहला सेट जीतने के लिए रायबाकिना की यह गलती काफी थी। दूसरे सेट में भी रायबाकिना को अपनी गलतियों का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने दो मिस्ड बैकहैंड ने स्वियातेक को एक और ब्रेक दिया। रयाबाकिना एक चैंपियनशिप पॉइंट बचाने में कामयाब रहीं, लेकिन स्वियातेक ने पिछले सितंबर के बाद से अपना पहला खिताब हासिल करने के लिए दूसरे मौके को भुना लिया।



नेशनल बैंक ओपन : शेल्टन बने चैंपियन, नकाशिमा को दी मात

मॉन्ट्रियल। बेन शेल्टन ने ऑल अमेरिकन फाइनल में ब्रैंडन नकाशिमा को 6-3, 7-6 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन के नाम अब एटीपी टूर में सात खिताब हैं। उन्होंने इस साल डलास, म्यूनिख और स्टुटगार्ट में भी खिताब जीते हैं। उन्होंने पिछले साल टोरंटो में इस कनाडाई टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

रिद्धिमा दिलावरी ने जीता डब्ल्यूपीजी टूर का खिताब

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु



भारत की अनुभवी गोल्फर रिद्धिमा दिलावरी ने अंतिम नौ होल में मन्नत बराड़ की कड़ी चुनौती का सामना करते हुए हीरो वुमैंस प्रो गोल्फ (डब्ल्यूपीजी) टूर 2026 के 12वें चरण का खिताब अपने नाम किया।

रिद्धिमा ने अंतिम दौर में चार अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाया। इससे पहले उन्होंने पहले दो दौर में 67 और 71 का स्कोर किया था। तीनों दौर में उनका कुल स्कोर 10-अंडर 206 रहा, जिससे उन्होंने मन्नत बराड़ को एक स्ट्रोक से पीछे छोड़ दिया। मन्नत ने अंतिम दौर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर छह अंडर 66 खेला। उन्होंने सात बर्डी और एक बोगी लगाई। वह कुल नौ अंडर 207 के स्कोर के साथ उपविजेता रहीं। रिद्धिमा का यह इस सत्र में चौथा खिताब है।





punjab national bank पंजाब नैशनल बैंक — आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, रायपुर (छ.ग.)

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे में दर्शायी गयी है, उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किय गया।उधारकर्ताओं द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतद्द्वारा उधारकर्ताओं को एवं जनता को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ताओं और जनसामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई लेन देन नहीं करें निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये **पंजाब नैशनल बैंक** के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगी। प्रतिभूत आस्ति के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है.

क्र.	उधारकर्ताओं का नाम	1) मांग सूचना की तिथि/2) कब्जे की तिथि	बकाया राशि	अचल संपत्ति का विवरण
1.	**उधारकर्ता - श्रीमती रेखा केडिया** पति श्री दीपक केडिया एवं **श्री दीपक केडिया** पति श्री कमल कुमार केडिया	(1) 24.02.2026 (2) 12.08.2026	दिनांक 31.01.2026 को **रू 34,40,549.71** + ब्याज एवं अन्य खर्चे	फ़्लैट नंबर एफ-103, पहली मंज़िल, ब्लॉक एफ "ऋषभ एन्क्लेव", डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड नंबर 46, प.ह नंबर 114, आरआईसी रायपुर-1, टिकरापारा, रायपुर (छत्तीसगढ़) में क्षेत्रफल -1055 वर्ग फीट पर स्थित संपत्ति , मालिकाना हक- श्री दीपक केडिया एवं श्रीमती रेखा केडिया। सेल डीड दिनांक 04/04/2005, सब्या क्रमांक 119, पुस्तक क्रमांक ए 1, ग्रंथ क्रमांक 31332, पृष्ठ क्रमांक 78 से 82 तक के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ: उत्तर - फ़्लैट नं. एफ-104, दक्षिण - भूतल पर बाहरी सड़क एवं खुला आसमान, पूर्व - सीढ़ियाँ एवं फ़्लैट नंबर एफ-102, पश्चिम - खुला आसमान एवं भूतल पर सड़क।

दिनांक: 15.08.2026, स्थान- रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

क्या ब्रह्मांड में एलियन हैं? वैज्ञानिकों के लिए यह सवाल वर्षों से असुलझा है। अक्सर एलियन को लेकर दुनिया में चर्चा होती है। अब मंगल ग्रह की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने एलियन को लेकर बहस छेड़ दी है।

क्या मंगल पर रहते हैं एलियंस, लाल ग्रह पर दिखा रहस्यमयी दरवाजा!

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने नई तस्वीरें भेजी हैं, जिसके बाद एलियन को लेकर चर्चा होने लगी है। रोवर ने जुलाई के आखिरी महीने में मंगल के माउंट शार्प इलाके की कई तस्वीरें खींची थीं। वैज्ञानिकों ने इन तस्वीरों को जोड़कर एक बड़ी तस्वीर बनाई है। इसमें चट्टान के बीच एक गहरे रंग की आकृति नजर आई है, जो कुछ लोगों को दरवाजे की तरह लग रही है। इसके बाद सोशल मीडिया पर एलियन सभ्यता को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, नासा की तरफ से अभी तक ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं की गई है।

वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बहुत पहले मंगल पर हवा और पानी कैसे बहते थे



वैज्ञानिकों ने क्या कहा?

नासा ने कहा कि अभी तक मंगल पर एलियन या किसी पुरानी सभ्यता का कोई पक्का सबूत नहीं मिले हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि हो सकता है कि यह आकृति चट्टानों के टूटने, दरार पड़ने और लंबे समय तक हुए कटाव की वजह से बनी हो, क्योंकि ऐसी आकृतियां धरती पर भी कई जगह देखने को मिलती हैं।

नासा की नई तस्वीर से छिड़ी बहस

साल 2012 से क्यूरियोसिटी रोवर मंगल के गेल क्रेटर में काम कर रहा है। इस रोवर का मकसद यह खोज करना है कि क्या अरबों साल पहले मंगल पर ऐसा माहौल था, जहां छोटे-छोटे जीव रह सकते थे। इसी मिशन के दौरान रोवर माउंट शार्प की चट्टानों और मिट्टी का अध्ययन कर रहा है। इसी दौरान रोवर ने नई तस्वीरें ली हैं। रोवर जिस स्थान की जांच कर रहा था, उस जगह की चट्टानों की परतों का अध्ययन हो रहा है। इन परतों से वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बहुत पहले मंगल पर हवा और पानी कैसे बहते थे। जब सभी तस्वीरों को जोड़कर देखा गया, तो एक जगह दरवाजे जैसी आकृति दिखी जिसके बाद यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

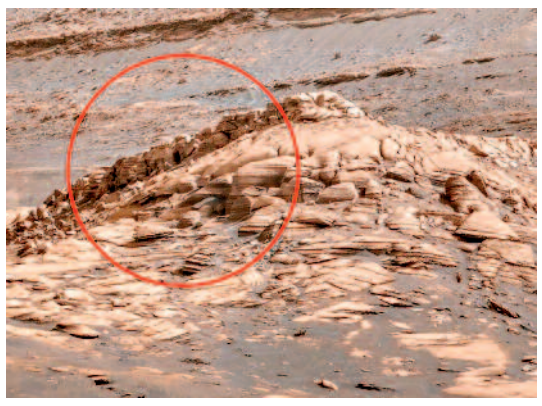

क्या है दावा?

यूएफओ से जुड़े दावे करने वाले एक शख्स का कहना है कि तस्वीर में नजर आ रही आकृति किसी दरवाजे की तरह है। यह दावा करने वाले शख्स का नाम स्कॉट सी. वारिंग है। उन्होंने दावा किया है कि यह लगभग 6.6 फीट ऊंची और 3.3 फीट चौड़ी हो सकती है। उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि यह माप कैसे निकाला है। सिर्फ देखकर किसी चीज का सही आकार बताना संभव नहीं है।

रोचक खबरें

लाल रंग की बिल्ली देख कांप गए लोग, अमेरिका के इस शहर में अलर्ट घोषित

न्यूयार्क। अमेरिका के टेक्सस राज्य के लीग सिटी से एक बेहद अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़कों पर चमकीले गहरे लाल रंग की एक बिल्ली घूमती हुई देखी गई है। पहली नजर में खून से सनी या लाल रंग में रंगी दिखाई देने वाली इस बिल्ली को देखकर स्थानीय निवासी दहशत में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस अजीबोगरीब जीव को 'रक की बिल्ली और लूसिफर (यमराज) तक का नाम दे दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पशु संरक्षण विभाग ने आपातकालीन अलर्ट जारी कर आम जनता को इस बिल्ली से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। लीग सिटी एनिमल केयर की टीम इस लाल रंग की बिल्ली को सुरक्षित पकड़ने के लिए लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि वे बिल्ली को खुद पकड़ने या उसके पास जाने की कोशिश बिल्कुल न करें, क्योंकि इससे बिल्ली डरकर भाग सकती है और रेस्क्यू टीम के प्रयासों में बाधा आ सकती है। संस्था ने बयान जारी कर बताया कि वे आसपास के कैट-केयरगिवर्स की मदद से पिंजरा लगाकर बिल्ली को सुरक्षित हिरासत में लेने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उसके शरीर पर लगे खतरनाक केमिकल या डाई का इलाज किया जा सके। सोशल मीडिया पर इस लाल बिल्ली की तस्वीरें वायरल होते ही लोगों ने जानवर के प्रति क्रूरता और अवैध गतिविधियों से जुड़े कई गंभीर दावे किए हैं। कुछ स्थानीय लोगों का आशंका जताई है कि इस बिल्ली को किसी अवैध डॉग-फाइटिंग रिंग (कुत्तों की खूनी लड़ाई) का शिकार बनाने या टारगेट प्रैक्टिस के लिए लाल रंग से रंगा गया हो सकता है।



सोने से भी कीमती है ये मरा हुआ कीड़ा जमीन खोदकर निकालते हैं लाश

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक अजीब सी चीज का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। देखने में वह मरा हुआ कीड़ा या कीट लगता है, लेकिन असल में यह एक फंगस है। इसका नाम है यार्सागुम्बा या कीड़ा जड़ी. हिमालय के ऊंचे इलाकों में मिलने वाली यह वस्तु सोने से भी महंगी बिकती है। किलो के भाव कई लाख रुपए से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में हजारों डॉलर तक पहुंच जाते हैं। यार्सागुम्बा वैज्ञानिक नाम ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेंसिस है। यह एक परजीवी फंगस है, जो घोस्ट मॉथ के लार्वा यानी सूंडियों पर हमला करता है। ऊंचाई वाले ठंडे इलाकों में लार्वा जमीन के अंदर रहता है। फंगस उसके शरीर में घुस जाता है, उसे मार देता है और फिर उसके सिर से निकलकर ऊपर उग आता है। यही वजह है कि लोग इसे मरा हुआ कीड़ा या जॉम्बी फंगस कहते हैं। यह मुख्य रूप से नेपाल, तिब्बत, भूटान और भारत के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 3500 से 5000 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है। वसंत और शुरुआती गर्मी के मौसम में जब बर्फ पिघलती है तब लोग इसे खोजने निकलते हैं। जमीन को ध्यान से देखते हुए छोटे-छोटे डंठल ढूंढते हैं और फिर सावधानी से खोदकर निकालते हैं। एक किलो बनाने में हजारों टुकड़े लगते हैं।





Ajay Advt.

स्टडी

भारत से लगभग दोगुना, 8.5 करोड़ साल से समुद्र में डूबा

दुनिया के खोए 8वें महाद्वीप को वैज्ञानिकों ने खोजा

वॉशिंगटन। एक आम नक्शे से लेकर स्कूलों की किताबों में हमें सात महाद्वीपों के बारे में पढ़ाया जाता है, लेकिन क्या हो अगर आपको पता चले कि धरती पर एक आठवां महाद्वीप भी है। जी हां, आठवां महाद्वीप भी है, जो लगभग पूरी तरह समुद्र के नीचे है। जियोलॉजिस्ट ने न्यूजीलैंड के आसपास पानी से घिरे इलाके का जियोलॉजिकल अध्ययन किया तो दिलचस्प जानकारी सामने आई। इस जगह पर पानी के नीचे महाद्वीप के आकार का क्रस्ट है। यह आकार में भारत के लगभग दोगुने के बराबर है। भू-वैज्ञानिकों का कहना है कि न्यूजीलैंड, न्यू कैलेडोनिया और चारों तरफ नीले पानी से घिरे कई छोटे-छोटे द्वीप दिखते हैं। असल में ये द्वीप टे रिउ-ए-माउदी या जीलैंडिया की दिखाई देने वाली चोटियां हैं। जीलैंडिया नाम का सुझाव 1995 में जियोफिजिसिस्ट ब्रूस लुर्येंडिक ने पहली बार दिया था। साल 2017 में इसे और पहचान मिली जब, निक मोर्टिमर और उनके साथियों ने जीएसए टुडे में इसके जियोलॉजिकल सबूत पेश किया।

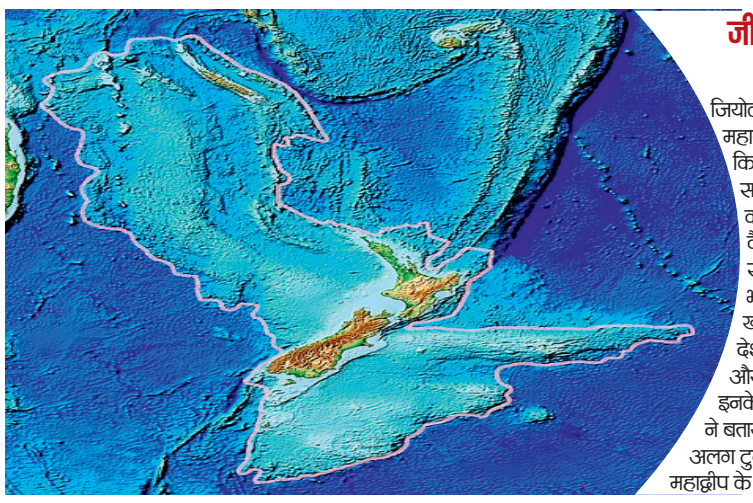

जीलैंडिया का 94 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूबा

जियोलॉजिकल अनुमान के मुताबिक, इस गायब महाद्वीप का क्षेत्रफल लगभग 49 लाख वर्ग किलोमीटर है, जिसका 94 प्रतिशत हिस्सा समुद्र के स्तर के नीचे है। वैज्ञानिकों का कहना है कि न्यूजीलैंड और न्यू कैलेडोनिया इसके पानी के ऊपर वाले सबसे बड़े हिस्से हैं। ऐसा नहीं है कि भूवैज्ञानिकों ने 2017 में पहली बार इसकी खोज की। जहाजों, सैटेलाइट्स और तटीय देशों को पहले से ही इन पहाड़ की कतारों और पठारों के बारे में पता था। असल बात इनके वर्गीकरण की थी। उस समय भूवैज्ञानिकों ने बताया कि इन हिस्सों को पानी में डूबे अलग-अलग टुकड़ों के बजाय 49 लाख वर्ग किमी के एक महाद्वीप के तौर पर देखा जाए।

समुद्र तल के फैलने से तस्मान सागर बना

हालांकि, जीलैंडिया हमेशा से डूबा नहीं था। 8.5 करोड़ साल पहले यह समुद्र से ऊपर हुआ करता था। स्टडी से पता चलता है कि इस क्षेत्र को 10 करोड़ से 8.5 साल पहले विस्तार ने प्रभावित किया। इससे इसकी क्रस्ट आटे की तरह खिंच गई और महाद्वीपीय किनारा पतला हो गया। इसके बाद समुद्र तल के फैलने से तस्मान सागर बना और बाद की टेक्टोनिक घटनाओं ने अलग-अलग हिस्सों को मोड़ा। उनमें दरारें डालीं, ऊपर उठाया और नीचे किया।



क्रस्ट ही है असली महाद्वीप

आमतौर पर लोग समुद्र की तटरेखाओं को प्राकृतिक सीमा के रूप में समझते हैं, लेकिन जियोलॉजी के नजरिए से यह सही नहीं है। हर महाद्वीप का काफी हिस्सा समुद्र के नीचे होता है। असल में मायने में समुद्र तल से ऊपर निकली जमीन नहीं, बल्कि क्रस्ट ही महाद्वीप होता है। स्पेस डेली की रिपोर्ट बताती है कि समुद्री क्रस्ट काफी घनी होती है और आम तौर पर लगभग 7 किमी मोटी होती है। जीलैंडिया में भूकंपीय माप के अध्ययन बताते हैं कि क्रस्ट आम तौर पर 10 से 30 किमी मोटी है।

एक झटके में खरबपति बना शख्स, 44 ड्रॉ के बाद लगा 13 सौ करोड़ का जैकपॉट!



न्यूयार्क। अमेरिका के इलिनोइस राज्य में एक शख्स की किस्मत रातों-रात ऐसी चमकी कि हर कोई हैरान रह गया। इस खुशनसीब ने बुधवार रात हुए पावरबॉल ड्रॉ में सभी 6 नंबरों का बिल्कुल सटीक अनुमान लगाकर लगभग 1.40 अरब डॉलर (करीब 13357 करोड़ रुपए) का जैकपॉट जीत लिया है। यह इस साल का अब तक का सबसे बड़ा और पावरबॉल के इतिहास का 8वां सबसे बड़ा जैकपॉट है। इस शानदार जीत ने महज एक ही झटके में इस आम इंसान को अरबपतियों की लिस्ट में लाकर खड़ा कर दिया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार रात निकले इस ड्रॉ के विनिंग नंबर 4, 26, 66, 67, 69 और लाल पावरबॉल 9 थे। अब इस विजेता के पास अपनी इनामी राशि घर ले जाने के दो शानदार विकल्प हैं। या तो वह पूरी रकम को 29 सालों में सालाना किस्तों के रूप में ले सकता है, या फिर एकमुश्त 450.5 मिलियन डॉलर (करीब 4291 करोड़ रुपए) का कैश पेमेंट चुन सकता है। हालांकि, नियम के मुताबिक दोनों ही विकल्पों में इस इनामी रकम पर टैक्स काटा जाएगा।

44 ड्रॉ के बाद खत्म हुआ लंबा सूखा

इस जैकपॉट की जीत ने एक लंबे इंतजार को भी खत्म कर दिया है। दरअसल, बीते 2 मई के बाद से कोई भी खिलाड़ी पावरबॉल जैकपॉट नहीं जीत पाया था। बुधवार का यह ड्रॉ लगातार 44वां ऐसा मौका था जब लोग अपनी किस्मत आजमा रहे थे। आखिरकार, इलिनोइस में बिके इस इकलौते टिकट ने जैकपॉट के इस लंबे सूखे पर पूरी तरह से पूर्णविराम लगा दिया।

पति से खाना बनाने का पैसा वसूलती है ये महिला... हर स्पेशल डिश की कीमत 1000

नई दिल्ली। घर के काम और खाना पकाने को अक्सर महिलाओं की सामान्य जिम्मेदारी मान लिया जाता है, जिसके लिए उन्हें कोई आर्थिक या भावनात्मक श्रेय नहीं मिलता। लेकिन, सोशल मीडिया पर इन दिनों इंस्टाग्राम क्रिएटर प्रिया की एक बेहद अनोखी कहानी वायरल हो रही है। प्रिया अपने पति के लिए घर पर जब भी कोई कैफे-स्टाइल खाना बनाती हैं तो इसके बदले में वह अपने पति से एक हजार रुपए चार्ज करती हैं। शुरुआत में एक मजाक जैसी लगने वाली यह व्यवस्था अब इंटरनेट पर एक बड़ी बहस का विषय बन गई है। यह मामला सिर्फ पैसे के लेनदेन का नहीं, बल्कि महिलाओं के अनपेड वर्क, उनकी मेहनत की कद्र और वित्तीय समझ से जुड़ा हुआ है।



प्रिया ने यह भी साफ किया कि यह पैसा किसी फिजूलखर्ची या व्यक्तिगत शौक के लिए नहीं जा रहा है। कपल इस 1,000 रुपए की रकम को एक जगह जमा कर रहा है ताकि भविष्य में एक नया बिजनेस शुरू किया जा सके।

कैफे जाने के बजाय घर पर ही फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट

प्रिया ने अपने वायरल वीडियो और एक इंटरव्यू में बताया कि यह कोई जोर-जबरदस्ती का फैसला नहीं था, बल्कि इसकी शुरुआत बहुत स्वाभाविक रूप से हुई। प्रिया और उनके पति अक्सर बाहर कैफे में खाना खाने जाते थे और हर दूसरे दिन लगभग 1,000 रुपए खर्च कर देते थे। तभी प्रिया ने घर पर ही नए-नए व्यंजन प्रयोग करना शुरू किया और कैफे जैसा स्वादिष्ट और सुंदर खाना पकाना शुरू कर दिया। उनके पति ने प्रिया की मेहनत और समय को देखते हुए खुद यह प्रस्ताव रखा कि क्यों न बाहर पैसे देने के बजाय वही पैसे घर में ही दिए जाएं।

पैसे घर में रहते हैं और मेहनत की कद्र होती है

पारंपरिक सोच रखने वाले लोग भले ही इस बात पर आपत्ति जताएं कि पति के लिए खाना बनाना तो पत्नी का फर्ज है, लेकिन प्रिया का नजरिया बिल्कुल अलग है। प्रिया कहती हैं कि महिलाएं पीढ़ियों से बिना किसी वित्तीय पहचान के यह काम करती आ रही हैं। उनका तर्क है- जब आप वही खाना बाहर जाकर खाते हैं और खुशी-खुशी बिल चुकाते हैं तो घर पर बना खाना खाने में क्या बुराई है? इससे पैसे भी घर में ही रहते हैं, मेरी मेहनत की कद्र भी होती है और हम दोनों स्वादिष्ट खाने का आनंद भी लेते हैं।

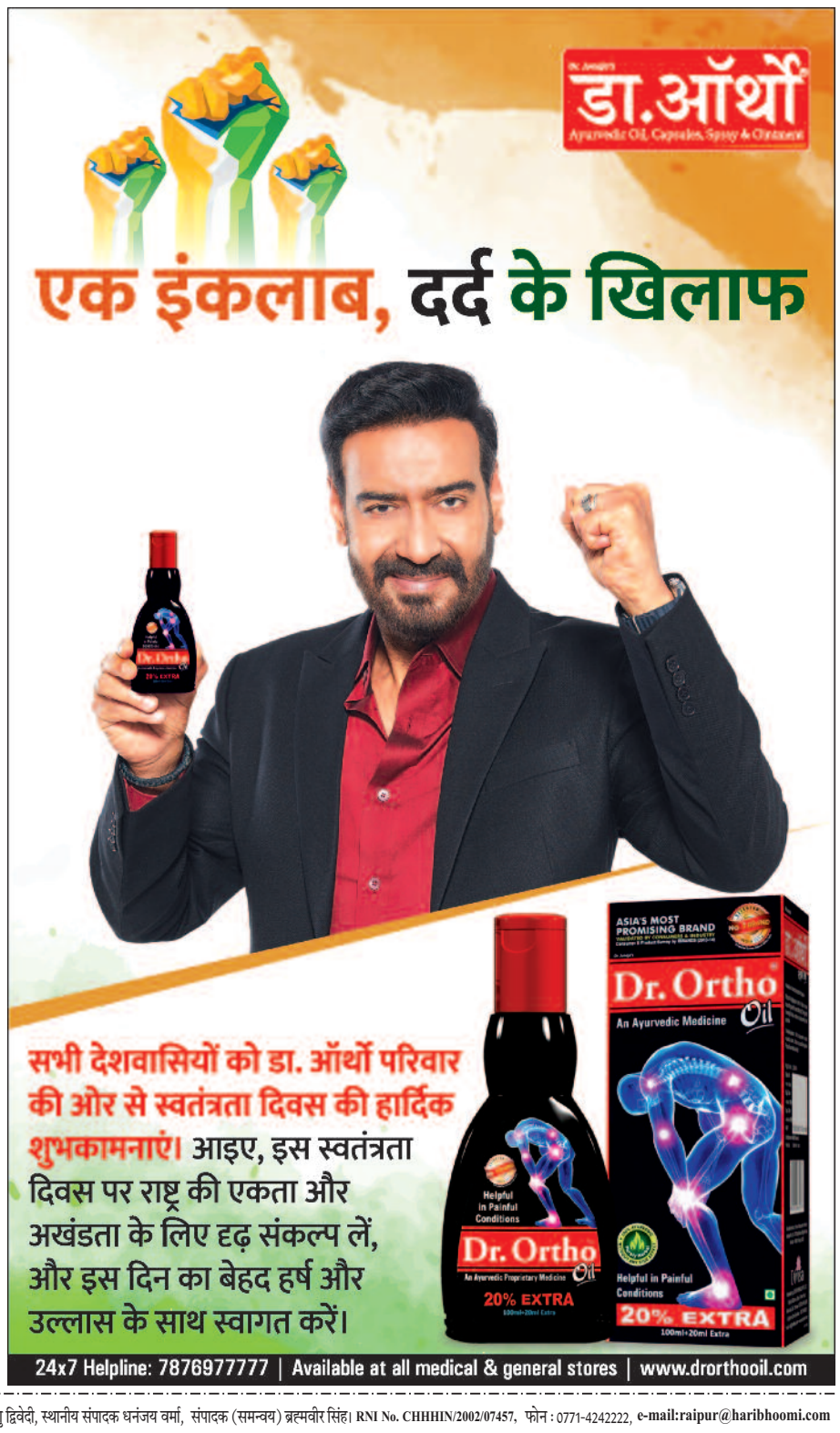





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com